परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
1.	**क) सचिवालय सामाजिक सेवा**	मंत्रालय के दक्ष कार्यकरण हेतु स्थान का आधुनिकीकरण करना तथा सूचना अ ौर प्रौद्योगिकी सहायता भी उपलब्ध कराना। कार्यालय उपकरणों का रख–रखाव तथा आई टी लेखन–सामग्री का प्रापण।	**21.00**	**2.25**	पुराने और बेकार कंप्यूटरों/फोटोकॉपियर को बदलना, एल ए एन नेटवर्क की पुनर्संरचना करना। इसके अतिरिक्त एम ओ सी कार्यालयों का आधुनिकीकरण/ कार्यालय स्थान का आधुनिकीकरण तथा कमरों का जीर्णोद्धार।	दिसंबर, 12 तक 34 कंप्यूटरों और 2 बहुकार्यात्मक प्रिंटरों की खरीद की गई है। आवश्यकता के आधार पर कार्यालय के अन्य उपस्कर भी खरीदे गए हैं।	16.66	**1.01**	सामान्यतः योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय को वहन करने के लिये किया जाता है। नये
	ख) केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सीएसएल)	शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं तथा नीति आयोजकों को सूचना तथा अनुसंधान सेवाएं उपलब्ध कराना। इस प्रकार के सभी उद्देश्यों के लिये यह मुख्य संदर्भ ग्रंथागार है।	1.30	2.25	एन आई सी साइट में संस्थापित किए जाने वाले डाटाबेसों के लिए उच्च क्षमता का सर्वर, सी एस एल के पुराने संग्रह का संरक्षण करते हुए पुराने कंप्यूटरों के स्थान पर नई प्रणाली संस्थापित कर कंप्यूटरों की क्षमता बढ़ाना। बच्चों के लिए विशेष रैक को डिजाइन किया जाएगा। एम आई पी पी कमरे की अवसंरचना परिवर्तित किए जाने की आवश्यकता है। मेसर्स वर्गीज इलेक्ट्रानिक्स की प्रतिभूति जारी की जाती है। पुस्तकों की खरीद, समाचार	ऑटोमेशन सर्कुलेशन काउंटर के अंतर्गत, बार कोड स्केनर के माध्यम से पुस्तकें जारी करने और लौटाने का प्रस्ताव वित्तीय शक्तियों के प्रत्यायाजोन नहीं होने के कारण स्थगित कर दिया गया है। सी एस एल और जी आई टी पुस्तकालायों के कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। डी ओ पी में वेबसाइट को अपलोड करने की प्रकिया चल रही है। 18 वीं, 19 वीं, और 20 वीं शताब्दी की	0.32	0.35	सामान्यतः योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी व्यय को वहन करने के लिये किया जाता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पत्र पत्रिकाओं आदि का अंशदान पुस्तकों की जिल्दसाजी और व्याख्यानों का आयोजन किया जाना है।	दुर्लभ पुस्तकों को संरक्षित किया गया है जिन्हें इनके दुर्लभ महत्व के लिए रखा जाएगा।			
2.	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र**	क्षेत्रीय सीमाओं के पार मौलिक संस्कृति तथा सांस्कृतिक संबंधों का प्रसार तथा स्थानीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना और उसे बढ़ाना।	**0.00**	**31.00**	विभिन्न स्कीमों के लहत, सांस्कृति कार्यक्रम, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि का आयोजन करना।	रा"ट्रीय और अंर्तरा"ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलायों का सुदृढ़करण, संर्बधन और उनका प्रदर्शन करना।	**0.00**	**20.52**	अपने नियमित बजट के अतिरिक्त, जेड सी सी को एन ई आर में कार्यकलाप के लिए अतिरिक्त निधियां आबंटित की गई हैं।
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों में कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान–प्रदान।			लगभग 661 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनसे बड़ी संख्या में कलाकार लाभान्वित होंगे।	लगभग 353 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे देश भर में सांस्कृतिक विविधता का प्रसार करने के लिए मेलों, उत्सवों, सांस्कृतिक उत्सवों में तैनात किए गए अनेक कलाकार लाभान्वित हुए।			
(ii)	प्रलेखन	विशेष रूप से लुप्त हो रहे कलारूपों के समुचित परिरक्षण हेतु विभिन्न			कार्यक्रम समिति के परामर्श के अनुसार विभिन्न लोक तथा जनजातीय कलारूपों, सदस्य	31.12.2011 तक लगभग 21 प्रलेखन कार्य शुरू किए गए हैं।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		लोक जनजातीय कलारूपों का प्रलेखन।			राज्यों के उत्कृष्ट कलाकारों की कृतियों का प्रलेखन किया गया और प्रकाशनार्थ अनुसंधानोन्मुखी परियोजनाओं का कार्य शुरू किया जाएगा।				
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता का संवर्धन करना है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न भागों से लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शन का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गणतंत्र दिवस परेड में विद्यालय के बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।	प्रत्येक व"र्ा जनवरी में आयोजित किया जाता है।			
(iv)	कुरूक्षेत्र उत्सव	यह उत्सव महाभारत से संबंधित एक पावन स्थल, कुरूक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			भारतीय कला व संस्कृति के संवर्धन हेतु बहुत ही उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को, अपने उत्पादों का प्रदर्शन और उनकी बिक्री का अवसर प्राप्त होता है।	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा सरकार के सहयोग से दिनांक 19 से 23 दिसम्बर, 2012 तक कुरूक्षेत्र में 'कुरूक्षेत्र उत्सव– गीता जयन्ती समारोह – 2012' आयोजित किया।			
(v)	गुरू शिष्य परंपरा	हमारे तेजी से लुप्त हो रहे कलारूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करने के लिए।			इस वर्ष के दौरान लगभग 132 गुरू तथा 485 शिष्य लाभान्वित होंगे।	इस स्कीम के अंतर्गत लगभग 66 गृह और 110 शिष्य लाभान्वित हुए।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ मेलजोल करना।			लगभग 116 रंगमंच समूह अपने नाटक प्रस्तुत करेंगे और रंगमंच के संवर्धन में 780 से अधिक कलाकार और बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। रंगमंच संबंधी कौशल को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाएंगी।	इस वर्ष जेडसीसी ने रंगमंच शो के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं जैसे रंगमंच शो, रंगमंच उत्सव, कार्यशालाएं उत्सव आयोजित किए। इस स्कीम के तहत 30 से अधिक नाटकों का मंचन किया गया।			
(vii)	युवा प्रतिभावान कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कलारूपों में युवा प्रतिभावान कलाकारों को तलाशना तथा उन्हें प्रोत्साहित करना।			उदीयमान कलाकारों और आम जनता को पर्याप्त संख्या में शामिल करके प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी और लगभग 28 लोक कला रूपों का चयन करने का प्रस्ताव है।	उदीयमान कलाकारों और आम जनता को पर्याप्त संख्या में शामिल करके प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।			इस उद्देश्यार्थ समाचार– पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कराया जाएगा और अन्य सांस्कृतिक संगठनों तथा शिक्षा संस्थाओं से भी सम्पर्क किया जाएगा।
(viii)	शिल्पग्राम	स्थापित किये गये शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होगें और बड़ी संख्या में लोगों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाने का प्रस्ताव है।	10 कार्यक्रम और नियमित शिल्प प्रदर्शनी–व–विक्रय कार्यकलाप आयोजित किये गये।			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इसके कार्यकलापों को बढ़ावा देना है।							
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव – ऑक्टेव	पूर्वोत्तर के प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य समान्यतः लोगों को और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों को देश के मुख्य भाग से घनिष्ठ मेलजोल बढ़ाने में सहायता करना है। इससे पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा शेष भारत के बीच दूरी को कम करने में सहायता मिलेगी।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, शिल्कारों इत्यादि सहित पूर्वोत्तर के लगभग 1190 कलाकार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।	पूर्वोत्तर उत्सव ऑक्टेव का आयोजन सदस्य राज्यों में किया जाएगा।			
3.	**संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली**	यह अकादमी राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संगीत, नृत्य और नाटक के संवर्धन और विकास के लिये; मंचन कलाओं में प्रशिक्षण के मानकों के अनुरक्षण के लिये; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित सामग्री के रखरखाव, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रचार–प्रसार के लिये तथा उत्कृष्ट	**8.50**	**11.00**	यह अकादमी भारत की मंचीय कलाओं को बढ़ावा देने के लिये समर्पित है और यह इस उपलब्धि को हासिल करने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रमों, छात्रवृत्तियां प्रदान करने और प्रलेखन के माध्यम से युवा पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों तथा विख्यात कलाकारों के मंचन कार्यक्रमों की व्यवस्था करती है।	अपने नियमित बजट के अतिरक्ति, संगीत नाटक अकादमी को पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्यकलाप के लिए अतिरिक्त निधियां आबंटित की गई हैं।	**6.36**	**17.25**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कलाकारों को महत्व प्रदान करने के लिये कार्य करती है।							
(i)	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संबंध में सर्वेक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन और प्रचार–प्रसार, प्रकाशन तथा यूनेस्को – कन्वेंशन – परियोजना कार्यान्वयन	मंचन कलाओं की दुर्लभ परंपरा की रिकार्डिंग का संकलन तथा परिरक्षण, मंचन कलाओं के सैद्धान्तिक तथा शैक्षिक ज्ञान का विकास तथा मंचन कलाओं पर साहित्य प्रकाशित करना।			2000 घंटों की श्रव्य और दृश्य रिकार्डिंग, 15 दृश्य सीडी, 5000 श्वेत–श्याम तथा रंगीन फोटोग्राफ जोड़े जाने हैं। 10–15 स्टूडियो और फील्ड रिकार्डिंग, सॉफ्टवेयर प्रोग्राम, अभिलेखीय सामग्री से संबंधित डाटाबेस का निर्माण। आई सी एच के लिए प्रस्तुत किये जा रहे नामांकन के लिए मानचित्रण परियोजनाएं प्रारंभ की जानी है। संसाधन केन्द्र और डाटाबेस की स्थापना करना। वित्तीय रूप से 4 परियोजनाओं में सहायता प्रदान की जानी है जो अनुसंधान और प्रलेखन की मौजूदा स्कीमों के अंतर्गत है।	वीडियो रिकार्डिंग के 135 घंटे और ऑडियों रिकार्डिंग के 7.40 घंटे, 2650 श्वेत–श्याम और रंगीन चित्र जोड़े गए। विशेष प्रलेखन अब्दुल रशीद खान, पार्वती कुमार, गिरधर चंद, पंडित मणि लाल नाग, अभय नारायण मलिक, प्रताप पवार, गुरू रमण और डॉ. राधाकृष्ण, लक्षदीप की मंच कलाएं।			
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय नई दिल्ली भूमि की खरीद	अकादमी के विद्यमान संग्रहालय संगीत वाद्ययंत्रों, कठपुतली, मुखौटा तथा अन्य कला वस्तुओं का एक अलग भवन/परिसर			संग्रहालय की 200 वस्तुओं का अधिप्रापण जैसे संगीत के उपस्करों का मास, कठपुतलियां, वस्त्र आदि। वाद्ययंत्र तैयार करने की	वाद्ययंत्रों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की पुनरीक्षा। पूर्वोत्तर क्षेत्रों के वाद्ययंत्रों का अभिप्रापण। मौजूदा अभिलेखीय वस्तुओं			संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी की गई निधि के आधार पर

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	और भवन निर्माण। मंच कलाओं का पुस्तकालय और अभिलेखागार। मंच कला पर विशेषीकृत पुस्तकालय।	का अधिग्रहण करके मंचन कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय में विकास करना। अकादमी के स्वयं के मौजूदा समृद्ध संग्रह के अतिरिक्त देश में इधर–उधर स्थित दुर्लभ वस्तुओं के संग्रह को अधिग्रहित करके दक्षिण भारत में एक समानांतर अभिलेखागार सहित अकादमी की मंचन कलाओं के आडियो–विडियो और फोटोग्राफी रिकार्ड के लिये अलग से अभिलेखागार विकसित करना। मंचन कलाओं से संबंधित अकादमी के मौजूदा विशिष्ट पुस्तकालय का विस्तार करना और इसकी सभी सामग्री का डिजीटीकरण करना तथा इसे ऑनलाइन उपलब्ध कराना।			परियोजनाओं में सहायता। तीन सूची पत्रों की तैयारी 110 वस्तुओं का अधिप्रापण, 3 कार्यशाला का आयोजन, वाद्ययंत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम और मास का निर्माण। मौजूदा अभिलेखीय वस्तुओं का अंकीकरण, समाचार पत्र की कतरने, मोनोग्राफ, फोटोग्राफ आदि का अंकीकरण।	का अंकीकरण। गुवाहाटी, तिरूवंतपुरूम आदि में संगीत नाटक अकादमी केन्द्रों में विषयवार लेखागारों की स्थापना। समाचार पत्र की कतरन, सेमीनार के कागजात, दुर्लभ पुस्तकों, वार्षिक रिपोर्ट, सर्वदृश्य पुस्तकालय और फोटो पुस्तकालय का अंकीकरण।			लागू किया जाएगा। नियमित कार्यक्रम नियमित कार्यक्रम
(iii)	अकादमी के	बेहतर और विशिष्ट			वर्ष में नृत्य नाटकों के 3–4	पूर्वोत्तर राज्यों में कथक नृत्य			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विशिष्ट क्षेत्रों तथा रूपों के लिए अकादमियों के राष्ट्रीय संस्थान तथा केन्द्र : कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली; कुटीयट्टम केन्द्र, केरल, छाऊ केन्द्र, बारीपदा/ जमशेदपुर, अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएं, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल और सत्रिय केन्द्र, गुवाहाटी।	पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक उत्कृष्टता वाले कत्थक नृर्तक तैयार करना, कुटीयट्टम को अकादमी के परियोजना समर्थन से स्तरोन्नत करना तथा उनका विकास करना, पूर्वी क्षेत्र के छाऊ नृत्यों की जारी परियोजना के समर्थन का विकास करना तथा इसे स्तरोन्नत करना, भारत के परम्परागत स्थानीय लोक नाटक रूपों में प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना – कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का भागवत मेला, विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक स्तर के मणिपुर नृत्यों का सृजन करना, सत्रिय नृत्य तथा सम्बद्ध संगीत तथा रंगमंच परम्पराओं की अकादमी की परियोजना के समर्थन का विकास।			नये निर्माण, विभिन्न राज्यों में 3–4 उत्सव का आयोजन, नृत्य के 5–6 नये विधान, कथक पर सेमीनार, कथक केन्द्र रेपटरी कंपनी का विस्तार, कथिक के 3 उत्सव, कथक महोत्सव। कुटीयटम की चालू परियोजना जिसमें अनेक परियोजना प्रशिक्षण, निर्माण, अनुसंधान और प्रदर्शन शामिल हैं, संस्थानों, कलाकारों और विद्यवानों, नृत्य पर्व, सत्रीय नृत्य के वार्षिक उत्सव आदि को प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित करते हैं। कठपुतली निर्माण और कठपुतलियों के भाव भंगिमाओं में प्रशिक्षण तथा वार्षिक उत्सवों का आयोजन। छाउ नृत्यों में सहायता की चालू परियोजना जिसमें अनेक परियोजनाएं प्रशिक्षण, निर्माण, अनुसंधान और प्रदर्शन शामिल है, लगभग 300 कलाकारों और विधवानों को शहरी ओर अर्धशहरी क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचा रहे हैं। ध्रुपद पर विशेष रूप से जोर देते	में प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित मासिक कार्यक्रम सरायकेला, रैरंगपुर और बड़ीपाडा में (14 से 16 अप्रैल 2012) छाउ में सहायता की पुनरीक्षण, दिल्ली चैपटर (20 अप्रैल 2012)। जून में कोच्चि में धरणी उत्सव में छाउ कलाकारों को प्रायोजित करना, निचुपडा, मयूरभंज में राजा महोत्सव में पुरूलिया छाउ, श्रुति फाउंडेशन चेन्नई में छाउ कलाकारों को प्रायोजित करना, रायरंगपुर में शिक्षक के लिए कार्यशाला आयोजित। फरवरी/मार्च 2013 में निर्धारित केरल पुतुल यात्रा का पावा कथकली का चालू प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रहलाद नाटक, ध्रुपद, तबला, सारंगी, पखावज, कमईचा, जोगिया, सारंगी, रावणहाता, मृदाला में प्रशिक्षण दिये जाएंगे। रंग प्रतिभा, पटियाला (30 अगस्त से 5 सित्मबर			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					हुए संगीत का उत्सव विशेष प्रलेखन और प्रशिक्षण प्रारंभ करना। प्रमुख विशेषज्ञों और प्रमुख संस्थानों के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायता। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करना। रामलीला और वैदिक मंत्रों के लिए सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन करना। एनक्रिपसंस के लिए निष्पादन कला, उम्मीदवारी का सांस्कृतिक मानचित्रण और संपत्ति सूची।	2012 तक) श्री रत्न थियाम के अंतर्गत इम्फाल में थियेटर कलाओं में चालू प्रशिक्षण। इम्फाल में श्री एच कन्हाई लाल के अंतर्गत प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा।			
(iv)	अनुसंधान और प्रकाशन (अनुसंधान, प्रकाशन, मंच कला डाटाबेस, मंच कलाओं का विस्तृत विविरण और शैक्षिक सेमिनार अंतर कार्यकलाप साक्षात्कार कार्यशालाएं)	भारत के संगीत नृत्य और नाटक/थियेटर में पूछताछ जिसके परिणामस्वरूप भारत की मंचकला की परंपराओं का प्रणालीबद्ध विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होता है। मुद्रित शब्दों द्वारा भारत की मंच कलाओं के ज्ञान के संपूर्ण विस्तार का प्रसार। डाटाबेस पुस्तकों, पत्रिकाओं, सर्वदृश्य अभिलेखों आदि का निर्माण। विद्वानों, मंच			कर्नाटक संगीत, तेलगू नाटक/थियेटर तथा लोक गीत, पूर्वी भारत के झूमर पर तीन अनुसंधान कार्य। संगीत नाटक पत्रिका के चार प्रकाशन, संगीत नाटक अकादमी की पत्रिकाओं, चार पत्रिकाएं (संगना), हिंदी और अंग्रेजी में तीन पुस्तकें तथा इसकी वार्षिक रिपोर्ट। मुद्रण और अन्य स्रोतों के क्षेत्र का व्यापक मानचित्रण। आवश्यकता का मूल्यांकन और	एक पत्रिका (संगीत नाटक) और दो पुस्तकें, संगना (हिंदी) पत्रिका के दो अंक प्रकाशित हुए। लक्षद्वीप का सांस्कृतिक मानचित्रण। प्राप्त श्रव्य/दृश्य अभिलेखों के आईसीएच 23 घंटों के लिए 7 द्वीप और 21 रूपों को अभिचिन्हित किया गया।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कलाकारों के बीच विशिष्ट ज्ञान का आदान–प्रदान और प्रसार।			संसाधनों की उपलब्धता जिसके परिणाम स्वरूप योजना संभव हो सके। 1 सेमीनार/कार्यशाला। 5 साक्षात्कार				
(v)	संगीत, नृत्य, थियेटर के लोक और जनजातीय रूपों में सहायता। संगीत, नृत्य, संगीत, नृत्य, थियेटर के लोक और जनजातीय रूपों की सहायता। संगीत, नृत्य,	विभिन्न क्षेत्रों उनकी प्रथाओं और परंपराओं की संकलपनाओं की खोज करना। उनके क्षेत्रों की सुस्पष्ट मंच कला परंपराओं पर भी ध्यान केन्द्रित करना और संगीत तथा अन्य अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों का संरक्षण करना। विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ जुड़ी शिल्प कलाओं के साथ–साथ भारतीय कला रूपों के अभिचिन्हित रूपों			राजस्थान के ब्रहदेशी और मांड पर उत्सवों का आयोजन किया जाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं और नये प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी सिफारिश की गयी है। प्रायोगिक सृजनात्मक, मौखिक और गायक वृन्द के प्रदर्शनों पर एक उत्सव केन्द्रित किया गया। 2 संगीत प्रतिभा उत्सव आयोजित किये जाने हैं। भुवनेश्वर पर एक संगीत संगम। टप्पा पर ठुमरी और ध्रुपद उत्सव कार्यशाला, संगीत	श्री रत्न थियाम के अधीन इम्फाल में थियेटर कलाओं में चालू प्रशिक्षण। इम्फाल में श्री एच कनहाई लाल के अधीन नये प्रमाणपत्र, पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाएंगे। मांड महोत्सव, जयपुर (26–28 अगस्त 2012) नृत्य संगम (उत्तरी क्षेत्र) का आयोजन फरवरी/मार्च 2013 में किया जाना है। नाट्य वृक्ष दिल्ली के सहयोग से विश्व नृत्य। चेन्नई में स्वानुभव में अंजिका के			* एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नाट्य पर्व

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संस्कृत थियेटर/पारंपरिक थियेटर रूपों की प्रमुख क्षेत्रीय परंपराओं को सहायता। प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रायोगिक सृजनात्मक, मौखिक और गायक या नर्तक वृन्द को प्रशिक्षण कार्यक्रम, सहायता युवा कलाकार, उत्सव कार्याशाला/सेमिनार आदि में सहायता	को सहायता करना और उनका पोषण करना। उन लोगों के समूह को बढ़ावा देना जो विभिन्न नामों ज्ञात वाद्ययंत्र बजाते हैं अथवा स्वर संगीत का प्रदर्शन करते हैं।			समीक्षा और आलोचना पर कार्यशाला, नृत्य के विभिन्न रूपों पर उत्सव सेमिनार और व्याख्यान, 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किये जाने हैं। युवा नर्तक के दो क्षेत्रीय उत्सव आयोजित किए जाने प्रस्तावित हैं। विशेषज्ञ श्रृंखला में मिलें का आयोजन करना ताकि विचार विमर्श और अंतर कार्यकलाप किया जा सके। व्याख्यान प्रदर्शन आयोजित करना*	आईसी के, कलाकारों, मलाहर उत्सव औरंगाबाद में महागामी के कलाकारों मासिक कथकली कार्यक्रम आयोजित किया गया। नृत्य धारा दिल्ली, बीआईएएफ बंगलूरू, डीआईएएफ दिल्ली द्वारा सुधाकर शाहू को सहायता की गयी। **संगीतः** सिविल सर्विस डे में कमल शावरी द्वारा अभ्य रूसत्म सपोरी, दिल्ली वाद्य वृन्द; भारत लोक रंग महोत्सव, इलाहाबाद; कंगलेयी शक्तम लंगबा कंगलूप, इम्फाल में 20 व 21 जुलाई को 2 दिवसीय कार्यक्रम। फरवरी 2013 में एनबीटी के साथ सहयोग से लोक उत्सव कटपुतली नृत्यः श्रवण कुमार की कहानी; कटपुतली स्टूडियों द्वारा विजार्ड ऑफ ओजेड।			
(vi)	पुरस्कार, सम्मान तथा पारितोषिक :	मंच कलाओं में उत्कृष्टता तथा अविच्छिन्न योगदान को मान्यता प्रदान करना			अकादमी ने टैगोर स्कीम के अंतर्गत 50 अध्येताओं को चुना है और 50 पुरस्कार	33 अकादमी पुरस्कार, दो अध्येतावृत्तियां राष्ट्रपति भवन में 9 अक्टूबर			एफओआई और चीन में सेमीनार

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एस एन ए शिक्षावृत्ति तथा पुरस्कार (अकादमी रत्न सदस्यता और पुरस्कार) बिस्मिल्ला खाँ युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार	तथा प्रतिष्ठित वृद्ध कलाकारों को सहायता प्रदान करना। अकादमी पुरस्कार शिक्षावृत्ति तथा अकादमी पुरस्कार (शिक्षावृत्ति 30 जीवित व्यक्तियों तक सीमित है)। 35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों के लिए उस्ताद बिस्मिल्ला खां युवा पुरस्कार सृजित किया गया है। पुरस्कार में 25000 रु. की राशि दी जाती है।			दिया है। अकादमी ने अपनी स्थापना के बाद से प्रमुख कलाकारों को 138 अध्येता वृत्तियां और विशिष्ट कलाकारों को 1208 पुरस्कार प्रदान किये हैं। इसने संगीत, नृत्य, थियेटर और अन्य संबंधित कलारूपों के 129 युवा पेशेवरों को युवा पुरस्कार भी दिए है।	2012 को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अध्येतावृत्ति और पुरस्कार प्रदान करना जिसके पश्चात भारत के संगीत नृत्य, थियेटर और लोक कलाओं का एक सप्ताह का उत्सव आयोजित किया गया। 33 युवा पुरस्कार युवा कलाकारों को दिए गए।			मेंसेमीनार/प्रदर्शनी ककाआयोजन, चचीन में शिष्टमंडल भेजना ब्राजील और मैक्सिको में भारत के उत्सव का आयोजन करना।
(vii)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 1. अंतर्राज्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 2. भारत एशियाई सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम (नई	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण।			अकादमी के लिए यह भी आवश्यक है कि वह नियमित आधार पर विशेषज्ञों, कार्मिक आदि के आदान–प्रदान द्वारा विदेश में संपर्क और अंतर कार्यकलाप विकसित करे।	विदेश के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान के संबंध में 30 राज्यों/संघ क्षेत्रों के कार्यक्रमों से जुड़े 20 आदान–प्रदान। पडोसी देशों की राष्ट्रीय अकादमियों के साथ संयुक्त मंच कला प्रदर्शन जिसके तहत प्रमुख आसियान उत्सवों में 6 समूहों को प्रायोजित किया गया।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्कीमें)								
(viii)	वेबसाइट का कम्प्यूटीरकृत और निर्माण मीडिया के माध्यम से संर्वधानात्मक कार्यकलाप	अकादमी के कम्प्यूटरीकरण के कार्य को पूरा करना तथा इसकी वेबसाइट का महत्वपूर्ण रूप से विस्तार करना। इलैक्ट्रोनिक मीडिया का उपयोग कर भारत की मंच कला परंपरा का संवर्धन			वेबसाइट पर और पृष्ठ, अन्य शहरों में अकादमी के केन्द्रों के साथ नेटवर्किंग और नये उपस्करों की खरीद मीडियाकर्मियों की कार्यशाला	नृत्य प्रतिभा, विशाखा पदृनम, संगीत प्रतिभा, नैनीताल, भांड पाथेर पर कार्याशाला, श्रीनगर c1-10 अक्तूबर, 2011, रंग प्रतिभा, क्षेत्र के सांस्कृतिक संस्थानों को बड़ो संख्या को समर्थन/सहायता दी जाएगी। यह एक चालू स्कीम है और कार्यकारी बोर्ड को सिफारिशों पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।			उत्सवों के लिए 30 संस्थानों को सहायता दी जाएगी और कठपुतलियों तथा विभिन्न कार्यक्रमों पर पदर्शनी। बाल मंच के 50 समूहों को वित्तीय सहायता।
(ix)	नयी स्कीमें क. मंच कलाओं पर फिल्मों, वृत्तचित्रों, टीवी कार्यक्रमों, डीवीडी और एसीडी का निर्माण ख. संस्कृतिकर्मियों एवं प्रबंधकों के प्रशिक्षण के	–विशेषज्ञ फिल्म निर्माताओं और विद्धवानों की पहचान करना –अन्य संबंधित मंच कलाओं में पेशेवरों का सृजन करना –सहयोगी अकादमियों और राज्य संस्कृति विभागों के साथ सहयोग से कार्यरत अकादमियों के उद्देश्य के अनुसार ये भारतीय मंच कलाओं को समग्र रूप से आगे बढाने के लिए			इन स्कीमों को वर्ष के दौरान कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।	इन नयी स्कीमों में एमओसी के प्रशासनिक अनुमोदन की आवश्यकता है।			

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लिए पाठ्यक्रम ग. राज्य अकादमियों और अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों का जीर्णोद्धार और उन्नयन घ. शिक्षा में मंच कलाएं ड. अवसंरचना निर्माण और विकास अनुरक्षण च. कलाकार के लिए कल्याण उपाय	निरंतर कार्यरत हैं। मंचकलाओं के संदर्भ में पहचान क्षेत्रों का मूल्यांकन करना जिन्हें कला समीक्षा के लिए शिक्षा प्रणाली से जोडा जा सकता है।				चिकित्सा उपचार के लिए 18–20 कलाकारों को वित्तीय रूप से सहायता प्रदान की गयी।			
4.	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा रूपंकर कलाओं का संवर्धन। इसका मिशन आधुनिक और समकालिन कला की बेहतर समझ को बढ़ावा देना है।	**7.50**	**7.00**	स्थापना शीर्ष के अंतर्गत गैर योजना बजट से सीजीएचएस अंशदान, चिकित्सा व्यय, किराया, दर और कर, सेवानिवृति लाभ के भुगतान भी किए जाते हैं।	गैर योजना बजट से आकस्मिक व्यय और किराया, दर और कर पर व्यय (इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सहित) भी पूरा किये जाते हैं।	**5.51**	**5.65**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना न्यय के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	दृश्य तथा रूपंकर कला के क्षेत्र में संवर्धनात्मक कार्यकलाप। कला विकास/कला प्रोत्साहन, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आवक प्रदर्शनी, कला की राष्ट्रीय प्रदर्शनी, दीनाले प्रदर्शनी कला संचार और प्रसार	अकादमी के मुख्य उद्देश्य देश के कला कार्यकलापों विशेष रूप से समकालीन कला के क्षेत्र में, कला के विकास के लिए कलाकार–समुदाय को अवस्थापना सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।			राष्ट्रीय प्रदर्शनी–1 सीईपी –5 के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रमों का आदान–प्रदान –1 बहिर्गमी प्रदर्शनी–5 आवक (इनकमिंग) प्रदर्शनियाँ–4 चल प्रदर्शनी–3 शिविर तथा कार्यशालाएं–10 व्याख्यान तथा सेमिनार–38 ल.क.अ. दीर्घा प्रदर्शनियाँ–150	<u>प्रदर्शनियां: राष्ट्रीय –1</u> सीईपी–3 के तहत शिष्टमंडल के आदान–प्रदान का कार्यक्रम (विदेश में गये शिष्टमंडल 11) जावक प्रदर्शनियां–3, आवक प्रदर्शनी–1, संग्रहाध्यक्ष प्रदर्शनी–3, शिविर और कार्यशालाएं–2, रेजिडेंसी कार्यक्रम में कलाकार–3, कला फिल्म प्रदर्शन/ व्याख्यान–35, लकअ गैलरी में प्रदर्शनी–150, कला संगठनों को सहायता अनुदान–6, कला वस्तुओं को संरक्षण और पुनरूद्धार–100, राष्ट्रीय सेमिनार–1, कुमार स्वामी स्मारक व्याख्यान–1, रविन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती–कार्यक्रम, गुरूदेव रविन्दनाथ टैगोर विषय पर सेमिनार; 'ए ग्लोबल पायोनियर'–1, टैगोर पर पोर्टफोलियो जारी करना–1, अध्यतता वृत्ति–1, छात्रवृत्ति–40, प्रकाशन–6, क्षेत्रीय कार्यक्रम–10,			
	अभिलेख और स्लाइड व्याख्यान और सेमीनार, शिविर और कार्यशालाएं।				कला संगठनों को सहायता अनुदान–25 कलाकृतियों का संरक्षण/पुनरूद्धार–150 12वां ट्रोनाले भारत –1 रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150				

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	मुख्यालयः राजय आकदमी और कला संगठनों को अनुदान, मुख्यालय कलावीथि और ए.सी.व्यय, बर्हिगामी प्रदर्शनी, विशेष प्रदर्शनियां, लोक जनजातीय और पारंपरिक कला, कल्य संरखण और पुनरूज्जीवन कला सर्वेक्षण, पूर्वोन्तर कार्यक्रमों के अतिरिक्त, कला उत्सव XIX कॉमनवेल्थ खेल, कार्यक्रम और ढांचागत सुविधाएं				वीं जयंती–टैगोर को कृतियों को प्रदर्शनी–2 टौगोर के प्रकाशन/पोर्ट फोलियो–2, छात्रवृत्तियाँ–40 अध्येतावृत्ति –1 प्रकाशन–25 क्षेत्रीय कार्यक्रम–30 व्याख्यान–40 राष्ट्रीय कला उत्सव–1 आक्टेव –1 अंतर्गत पूंजीगत कार्य –3 गढ़ी स्टूडियो, नई दिल्ली और क्षेत्रीय केन्द्र, चेन्नई का जीर्णोद्धार और फेज का कार्य। राष्ट्रीय जनजातिय शिविर–1 जनजाति और लोक प्रदशनी–1	व्याख्यान–12, गढ़ी स्टूडियों नई दिल्ली का जीर्णोद्धार			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	रबीन्द्रनाथ टैगोर को 150वीं जयंती के कार्यक्रम, अध्येता वृत्तियां, छात्रवृत्तियां और प्रकाशन और प्रलेखन, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्रों के कार्यक्रम, कोलकाता, गढ़ी में नए क्षेत्रीय केंद्रों को स्थापना।								

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
5.	**साहित्य अकादमी**	भारतीय साहित्य का 24 भाषाओं में प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य करना। कोलकाता, मुंबई और बैंगलुरू में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों और नई दिल्ली में स्थित पुस्तकालयों का निर्माण और उन्नयन करना।	7.50	12.00	स्थापना शीर्ष के अंतर्गत गैर योजना बजट से सीजीएचएस अंशदान, चिकित्सा व्यय, किराया, दर और कर, सेवानिवृति लाभ के भुगतान भी किए जाते हैं।	गैर योजना बजट से आकस्मिक व्यय और किराया, दर और कर पर व्यय (इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सहित) भी पूरा किये जाते हैं।	5.59	10.50	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना न्यय के लिए किया जाता है।
(i)	**पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन**	एक ही स्थान पर भारत के लेखकों और साहित्यिक कार्यकलापों के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना तथा पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र बनाना।			विदेशी प्रकाशनों सहित 24 भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रहेगी। वृत्त चित्रों का निर्माण करने के लिए प्रलेखन और पुस्तक सूची केन्द्र जारी रहेंगे। लेखकों पर 10 वृत्तचित्र बनाये जाएंगे। विभिन्न सेमिनार कार्यक्रमों के ओडियो टेपों की सूची तैयार करने का काम किया जा रहा है जिसे अंकीकृत किया जाएगा। अभिलेखा यूनिट का कार्य अकादमियों की वेबसाइटों से जोडा जाएगा। आवश्यकताओं के अनुकूल इस यूनिट को बेहतर आधुनिक गजटों से सुसज्जित किया जाएगा।	i. विदेशी पुस्तकों सहित 1500 पुस्तकें खरीदीं। ii. समाचार पत्र, पत्रिकाओं (मुख्य कार्यालय, और तीन क्षेत्रीय कार्यालय पुस्तकालय)–सतत प्रक्रिया iii. फोटो कॉफी मशीन के किराये पर लेने का प्रभार–सतत प्रक्रिया iv. पुस्तकालय साफ्टवेयर, यूपीएस, सर्वर, सीसीटीवी आदि के लिए एएमएसी–सतत प्रक्रिया v. कोलकाता, मुंबई, बैगलूरू और मुख्य कार्यालय में कम्प्यूटर, प्रिंटर खरीदे। प्रलेखन और ग्रंथ सूची केन्द्र i. चार भाषाओं में रेट्रो रूपांतर पूरा कर लिया गया है।			भारतीय लेखकों के विवरण का संशोधन और इसके हिंदी रूप का प्रकाशन तथा अन्य चालू साहित्य कार्य किए जाएंगे।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						ii. ग्रंथ सूची परियोजना (रवीन्द्र नाथ टैगोर की महत्वपूर्ण समान सूची प्रकाशित कर दी गयी है और पूर्वोत्तर साहित्य प्रकाशन की प्रक्रिया में है) iii. भारतीय लेखकों के विवरण (भारतीय लेखकों की सूची के दो खण्डों का प्रकाशन मुद्रण रूप और सीडी)			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**प्रकाशन स्कीम**	भारतीय साहित्य के अकादमी प्रसार के बुनियादी उद्देश्य को पूरा करना और बहुभाषी सोसाइटियों को अन्य भाषा से भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी प्राचीन ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि के संग्रह।			इसमें अकादमी की पुस्तकों, तीन पत्रिकाओं का प्रकाशन, महत्वपूर्ण पुस्तकों का पुनर्मुद्रण और विदेशी भाषाओं में संग्रहों का प्रकाशन, आधुनिक भारतीय साहित्य का गौरव ग्रंथ शामिल है। यह स्कीम अकादमी के बुनिसयादी उद्देश्यों की पूर्ति हेतू है। अर्थात भारतीय साहित्य का प्रसार करना तथा बहुभाषी समाज के पाठकों को अन्य भाषाओं से देश की साहित्यिक श्रेष्ठ कृतियां उपलब्ध कराना। इस स्कीम में *नेशनल बिबलियोग्राफी ऑफ इंडियन लिटरेचर* को अद्यतन बनाने पर भी विचार किया गया है। *ऐन्युअॅल ऑफ इंडियन लिटरेचर एण्ड समकालिन भारतीय साहित्य,* प्रत्येक को 10 भाषाओं में प्रकाशित किया जाएगा।	(क) पुनर्मुद्रण सहित 132 पुस्तकों को प्रकाशित किया गया है। (ख) पत्रिकाऐं (भारतीय साहित्य–5 और समकालीन भारतीय साहित्य–6 प्रकाशित किए गए हैं) (ग) भारतीय साहित्य की राष्ट्र ग्रंथ सूची (दो ग्रंथ पहले से प्रकाशित हैं।) (घ) रॉयलटी का भुगतान किया गया।			बंगाली, डोगरी, कन्नड़, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, नेपाली, उड़िया, राजस्थानी, तामिल और तेलगू के लिए उन्हेंने अपनी प्रविष्टियां पहले ही प्रस्तुत कर दी हैं। छपाई के कार्य को चार–चारणों में करने का प्रस्ताव है।
(iii)	**साहित्यिक समारोह तथा कार्यक्रम** **प्रशासनिक**	महान लेखकों की जयंतियाँ मनाना। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ			अकादमी विभिन्न क्षेत्रों में 50 साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करेगी। 10 मनुष्य और पुस्तके, 5 अस्मिता, 10 कवि संधि, 5 काव्य संध्या, 20	(क) शताब्दी समारोह, सेमिनार और लेखक कार्यशालाएं, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार i. 24 भाषाओं में 50			*(ग) युवा लेखक सम्मेलन पर एक राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम का आधुनिकीकरण और इसमें सुधार	आदि के लिए लेखकों को लेखकों, संबंधित व्यक्तियों और पुस्तकों इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान करने संबंधी कार्यक्रम आयोजित करके समय–समय पर इकटठा होने के लिए एक मंच प्रदान किया जाएगा।			मुलाकात, 10 कथा संधि,20 मेरी खिड़की से, 5 आविष्कार, 5 आविष्कार, 5 व्याख्यान, आगन्तुक लेख को द्वारा, अन्य साहित्यिक सम्मेलन आदि 175 सेमीनार और 125 साहित्यिक मंचों को आयोजन, देश के विभिन्न भागों में किए जाएंगे।	सेमिनार ii. उर्दु में एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया है। (ख) पूर्वोत्तर सहित संपूर्ण भारत में 24 भाषाओं में साहित्यिक फोरम (20), लेखक बैठक (15), पुरूष और पुस्तकें (5), परिचर्चाएं (25) आयोजित की गयी हैं।			गया है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	**सीइपी के अंतर्गत लेखकों को सेवाएं/ अवार्ड प्रदान करना**	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में सृजनात्मक युवा और पुराने लेखकों को अन्य देशों के दौरे को सुगम बनाना तथा विदेशी लेखक प्रतिनिधि मंडल की मेजबानी करना, उन साहित्यिक कृतियों को पुरस्कृतिक करना जो अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में प्रसंशा और प्रोत्साहन पाने के योग्य हैं, भारतीय साहित्य को अपने योगदान की मान्यता में प्रमुख लेखकों को मानद अध्येता वृतियां प्रदान करना।			अकादमी की स्कीम के तहत 100 युवा लेखकों को अपने स्वयं के क्षेत्र से भिन्न देश के अन्य भागों का दौरा करने के लिये यात्रा अनुदान प्रदान किया जाएगा। अकादमी विभिन्न सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में भागीदारी करेगी। अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को वार्षिक पुरस्कार दिये जाएंगे। पुस्तकों के लेखकों/कापीराइट धारकों को रॉयल्टी और पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। स्थानीय लेखकों के लिये स्कीम के तहत अनुदान जारी रखा जाएगा। जीवित अध्येताओं, विख्यात लेखकों इत्यादि को इस स्कीम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।	(क) लेखकों को यात्रा अनुदान दिया गया है। (ख) साहित्यिक आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। (ग) लेखकों और अध्येताओं को वार्षिक पुरस्कार (24 भाषाओं में 24 लेखकों के लिए एक लाख रूपये की पुरस्कार राशि) (घ) जनरल कांउसिंल की बैठकों, कार्यकारी बोर्ड की बैठकों वित्त समिति की बैठकों 24 भाषा के सलाहकार बोर्ड की बैठकों में उपस्थित होने के लिए सदस्यों को यात्रा भत्ता प्रदान किया गया है। (ड.) राज्य अकादमियों को सहायता दी गयी। (च) रायटर्स इन रजिडेंस जिसके लिए लेखकों/विद्यवानों को वजीफा दिया गया है। (छ) प्रमुख भारतीय लेखकों जो पुरानी बिमारियों से ग्रसित हैं, चिकित्सा सहायता प्रदान की गयी है।			
(v)	**अकादमी के**	अकादमी के प्रकाशनों की			अकादमी अपने बुनियादी उद्देश्य	(क) अंतर्राष्ट्रीय नामतह विश्व			12 वीं योजना

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन/पुस्तक प्रदर्शनी का संवर्धन	की बिक्री बढ़ाने, साहित्यिक पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से अकादमी के प्रकाशनों को विज्ञापित करने; क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करने और उनमें भाग लेने के लिए गहन प्रयास करना इसका उद्देश्य है।			को पूरा करने में अपनी विक्रय संभाव्यता का विकास करने के लिए राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेगी और विज्ञापन के माध्यम से इसका प्रचार करेगी। इसके अतिरिक्त यह अनंतिम शहर/कस्बा आधारित पुस्तक प्रदर्शनियों में भी भाग लेगी। सेमिनार/साहित्यक कार्यक्रमों के दौरान पुस्तक प्रदर्शनियां भी लगाएगी।	पुस्तक मेला सहित देश भर में 75 प्रदर्शनियां आयोजित की गयीं। फ्रेंकफ्रट अंतराष्ट्रीय पुस्तक मेला आदि में भाग लिया। राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के अवसर पर देश भर में राष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की गयी है। (ख) प्रचार आदि के लिए राष्ट्रीय दैनिक में विज्ञापन जारी किए गए।			के दौरान अकादमी के प्रकाशनों के संवर्धन के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों में पुस्तक की दुकान खोलने का कार्यक्रम जारी रहेगा।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	**अनुवाद स्कीम, क्षेत्रीय साहित्यिक अध्ययन परियोजनाएं, भाषाओं का विकास, अध्येतावृति : कुमार स्वामी और प्रेमचंद, बाल साहित्य पुरस्कार और युवा पुरस्कार**	स्कीम का साहित्यिक कार्यकलाप इसका केन्द्र बिन्दू है जिसके अंतर्गत 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार वार्षिक रूप से प्रदान किए जाते हैं। अंतरक्षेत्रीय अध्ययन करने के लिए 4 क्षेत्रीय बोर्ड गठित किए गए हैं। यह 24 मान्यता प्राप्त भाषाओं का विकास और संवर्धन करेगा। भाषाओं के विकास के लिए बडोदा में अकादमी द्वारा एक परियोजना कार्य स्थापित किया गया है और यह विभिन्न साहित्यिक कार्यकलाप आयोजित करता है तथा अनुवाद की कार्यशालाएं चलाता है। विशिष्ट अवधि के लिए विदेशी लेखकों/विद्वानों को भारतीय साहित्य/भाषाओं में उनकी साहित्यक जागरूकता का विकास करने के लिए आमंत्रित किया जाता है, युवा			अनुवाद केन्द्रों की कोलकाता शाखा और बैंगलोर स्थित 'सबदाना' द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं और अंग्रजी में 10 पुस्तक प्रकाशित होने की संभावना है। 24 भाषाओं में महत्वपूर्ण पुस्तकों का अनुवाद जारी रहेगा और 24 भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ अनुवाद को अनुवाद पुरस्कार दिया जाना जारी रहेगा। चार भाषाओं में भाषा सम्मान प्रदान कर क्षेत्रीय और जनजातिय भाषाओं को भी चिन्हित करना जारी रखा जाएगा। वर्ष 2012–13 के दौरान 10 सेमीनार और पांच कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। अगरतला में एनईआर में स्थित परियोजना कार्यलय उपर्युक्त सभी कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेगा। विदेश में स्थित भारतीय मिशन के द्वारा कुमार स्वामी और प्रेमचंद अध्येता वृत्तियां कार्यान्वित की जाएंगी।	(क) अनुवाद केन्द्रों ने प्राचीन, पूर्व–आधुनिक और आधुनिक भारतीय श्रेष्ठ कृतियों का अनुवाद किया है और नियमित कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं। (ख) साहित्य अकादमी ने स्वयं द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में उत्कृष्ठ अनुवाद को दिए जाने वाले वार्षिक अनुवाद पुरस्कार की स्थापना की है और पुरस्कार दिए हैं। (ग) अन्य सभी भारतीय भाषाओं से पुरस्कार विजेता पुस्तकों का अनुवाद किया। (घ) भारतीय भाषाओं से बच्चों की श्रेष्ठ कृतियों का अनुवाद प्रकाशित करने का प्रस्ताव है। – चार क्षेत्रीय बोर्डों द्वारा क्षेत्रीय आधार पर कार्यशालाएं/संगोष्ठी/कवि सम्मेलन और अन्य साहित्यिक आयोजन किए गए हैं। मध्यकालीन और प्राचीन भारतीय साहित्य पर कार्य चल रहा है।			*बाल साहित्य का संवर्धन करने तथा युवा लेखकों को प्रोत्साहित करने के लिए अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में 12 साहित्य पुरस्कार और युवा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। **साहित्य और समर्ग परंपराएं परियोजना अनेक पुस्तकों का प्रकाशन पहले ही किया जा चुका है। साहित्य अकादमी ने अनाना कुमार स्वामी, प्रेमचंद

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सृजनात्मक लेखकों/बच्चों को पुरस्कार देना।				– भाषा विकास बोर्ड ने लेखकों, विद्वानों आदि को भाषा सम्मान देने के लिए और अधिक भाषाओं की मान्यता हेतु अनुरोध पर विचार किया। जो प्रत्येक वर्ष 3–4 प्रतिशत तक दिये जाते हैं। जनजातिय**			अध्येता वृति और अध्येताओं तथा मानक अध्येताओं की स्थापना की जो साहित्य की अमर विभुतियों के लिए आरक्षित हैं।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vii)	**प्रशासनिक कार्यकलाप का आधुनिकीकरण और सुधार**	इसका उद्देश्य मुख्य कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में साहित्यिक क्षेत्र में कम्प्यूटरीकृत अनुप्रयोग प्रदान करना है। पुराने और बेकार उपस्कर/कम्प्यूटरों को बदला जाना है।			अकादमी के कम्प्यूट्रीकृत कार्यक्रम के विशेष रूप से पुस्तकालय सेवाओं, डाटाबेस, ग्रंथ सूची, पुस्तक सूची, सूचीकरण और सुगमीकरण के क्षेत्रों में नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी के साथ अद्धयतन बनाया जायेगा। इस संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।	(क) कम्प्यूटरीकरण i. मुख्य कार्यालय, विक्रय कार्यालय और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में एएमसी सहित कम्प्यूटरों, प्रिंटरों की खरीद की। ii. भारतीय साहित्य, समकालीन भारतीय साहित्य का कम्प्यूटरीकरण, मुख्य कार्यालय के साथ सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के विक्रय अभिलेख। (ख) कार्यालय का सुधार और रखरखाव			* i. क्षेत्रीय कार्यालय और मुख्य कार्यालय में फर्नीचर की खदीद की। ii. अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम iii. विक्रय कार्यालय के लिए फोटोकॉपी और मशीन की एएमएसी सहित खरीद iv. कार्यालय के लिए स्टेशनरी मदों की खरीद
(viii)	**नयी परियोजनाएं/स्कीमः भारतीय साहित्य की राष्ट्रीय ग्रंथ**	इसका उद्देश्य विद्वानों, पुस्तकालयाध्यक्षों, प्रकाशकों और उन लोगों को सेवा प्रदान करना है। जो संदर्भ के मूल्यवान			अकादमी द्वारा पहले से ही प्रारंभ, 24 भाषाओं के ग्रंथ सूची संबंधी आंकडों का संकलन पुस्तक रूप में और सीडी के रूप में प्रकाशित	–6 खंडों की परियोजना के रूप में योजनाबद्ध विश्वकोश जिसका दो खण्ड पहले ही प्रकाशित कर लिया गया है और प्रत्येक खंड लगभग			* जिसके लिए अकादमी विदेशी भाषाओं में कृतियों के प्रकाशन हेतू

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सूची, भारतीय साहित्य का विश्वकोश, भारतीय श्रेष्ठ कृतियों का यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद भारतीय भाषण का संकलन	साधन के रूप में पुस्तक संचार में अभिरूचि रखते हैं। विश्वकोश के माध्यम से भारतीय साहित्य के विकास का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करना। असंबद्ध सामग्री के कतिपय निकाय से संबंधित विचारों की व्यापक विविधता को एक साथ लाना।			किया जाएगा। विश्वकोश के 6 प्रस्तावित खंडों में से स्थायी समिति द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा। विदेशी भाषा के प्रमुख अनुवादकों द्वारा भारत की श्रेष्ठ कृतियों को अनुवाद किया जाएगा।	1000 पृष्ठों का है तथा डेमी क्वाटो आकार में है। –एनबीआईएल के मुद्रण की प्रकिया प्रारंभ हो गयी है तथा बंगाली, मलयालम, उडिया और तमिल खंड पहले से ही प्रेस है। इस कार्य को पुस्तक रूप में और सीडी के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। –अकादमी ने विदेशी भाषाओं में भारत की श्रेष्ठ कृतियों को प्रकाशित करने की स्कीम को गंभीरता पूर्वक लिया है। जिसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण भारतीय श्रेष्ठ कृतियों को विदेशी भाषा के प्रमुख अनुवादकों द्वारा अनुदित किया जाएगा। जिसके लिए अकादमी विदेशी भाषाओं में प्रकाशन हेतू आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। –इसका संकलनों से संबंधित चार अलग–अलग परियोजनाओं को प्रारंभ करने का प्रस्ताव है।			आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। आधुनिक भारतीय कविता और महात्मा गांधी के लेखन के संग्रह से जुडी चार अलग–अलग परियोजनाओं का प्रारंभ करना।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ix)	**दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा आवंटित भूखंड पर कार्यालय भवन का निर्माण**	इसका उद्देश्य विक्रय कार्यालय के लिए तहखाना में एक अलग गोदाम और प्रथम तथा द्वितीय तल पर कार्यालय बनाना है।			दिल्ली विकास प्राधिकरण ने एचएएफ, सेक्टर 11 द्वारका में 2011.65 वर्गमीटर का भूखंड पहले ही आवंटित कर दिया है। निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।	दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने एचएएफ, पॉकेट–बी, सेक्टर 11 द्वारका नई दिल्ली, में 2011.65 वर्गमीटर का भूखंड आवंटित किया था। तहखाने में एक गोदाम बनाने का प्रस्ताव है और*			*प्रथम तल और द्वितीय तल पर स्थित कार्यालय का उपयोग लेखकगृह के रूप में किया जाएगा।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
6.	**भारत महोत्सव**	चुनिंदा बाहरी देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करना ताकि और अधिक समझ और सहयोग बढ़ सके।	2.00	0.00	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियां, साहित्यिक सेमिनार, मंचकला/प्रस्तुतियां/सेमीनार/ कार्यशालाएं, साहित्यिक कार्यकलापों का आयोजन।	आईसीसीआर और देश के बाहर संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले भारतीय महोत्सवों में, संस्कृति मंत्रालय, सांस्कृतिक काग्रक्रमों आदि में सहयोग करता है।	0.00	––	
7.	**इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आई जी एन सी ए)**	आई जी एन सी ए की स्थापना भारत की भूतपूर्व प्रधानमंत्री, स्वर्गीया श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति में की गई थी। इसे कलाओं के क्षेत्र में शोध, शैक्षिक रूचि तथा प्रसार के केन्द्र के रूप में परिकल्पित किया गया था।	0.00	25.00			––	22.50	
(i)	**भवन का निर्माण**	भवन परियोजना, कंसर्ट हॉल, राष्ट्रीय थियेटर आदि।			सूत्रधार भवन का निर्माणः कंसर्ट हॉल और राष्ट्रीय थियेटर आदि का प्राथमिक कार्य।	निर्माण कार्य अभी प्रारंभ किया जाना है।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**क. बहु–विषयक शोध का संवर्धन तथा विविध कलाओं के बीच महत्वपूर्ण संवाद**	इसके शोध कार्यक्रम को बढ़ाना तथा मूल पाठों, सन्दर्भ पुस्तकों, शब्दावलियों, शब्दकोशों, वृहतकोशों, भारतीय कलाओं के तुलनात्मक इतिहास, मूल शब्दों के विश्वकोष, अन्तर–उपभाषा, अन्तर–विषयक शब्दावलियों तथा शब्दकोषों का प्रकाशन, कला और विज्ञान के बीच संबंधों की खोज, भारत तथा विश्व की कलाओं के बीच आयामों और संबंधों की खोज, पूर्वोत्तर तथा इसके सांस्कृतिक आयामों पर विशेष मुख्य बल।			निम्नलिखित आयामों का अध्ययन : (क) पहचान के बहु आयामी स्तर तथा कलाओं में उनकी अभिव्यक्ति (ख) भाषा तथा सांस्कृतिक विविधता (ग) बुद्धिमत्ता की परंपरा, पारिस्थितिकी, संसाधन प्रबंधन एवं सतत् विकास (घ) धार्मिक पहचान, परम्पराओं तथा सामासिक संस्कृतियों का संगम (ङ) अन्तर–संस्कृति संवाद (च) भारतीय कला तथा संस्कृति में महिलाओं का योगदान	चालू परियोजना के अंतर्गत केटीके खंड से संबंधित विभिन्न शर्तों पर संदर्भ कार्डस–1488 तैयार किए गए। बीएचयू और ज्ञान प्रभा वाराणसी के साथ सहयोग से एक कार्यशाला और दो राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित किए गए। तमिल और तेलगू तथा गुजराती से महिला संगीत का प्रलेखन किया गया। बौद्ध अध्ययन की एक प्रमुख विद्ववान डॉ निर्मला शर्मा द्वारा अलीची के दुखंग अथवा सामुदायिक भवन के मंडलों के प्रतिमा विज्ञान का व्यापक अध्ययन और पहचान की परियोजना चलाई गयी थी जो पूरा होने वाली है। सभी दृष्टिकोण से पूर्व संगीत मकरंद का मूल पाठ अनुवाद आदि अंतिम रूप से मुद्रण के लिए पहले से ही प्रेस में है। चार प्रकाशन परियोजनाएं प्रेस में है। इंडोनेशियाई पुरातत्व विज्ञान में हाल के			*मल्लाना महाकाव्य, अरबी, मलयालम, लोकप्रिय इस्लाम के क्षेत्र में प्रमुख व्यक्तियों के मौखिक इतिहास और निजि स्मृतियों के अध्ययन सहित विभिन्न प्रमुख कार्यों का प्रलेखन किया गया। पारंपरिक रीतिरिवाज कला रूपों (जीवंत परंपराएं) की प्रदर्शनी/सेमिनार और प्रदर्शन भी आयोजित किए गए। द्रविड विश्वविद्यालय,
	ख. आईजीएनसीए में कार्यालय उपस्कर का आधुनिकीकरण	नवीनतम भवन की डिजाइन और संरचना को ध्यान में रेखते हुए कार्यालय को फर्नीचर और उपस्कर से सुज्जित रखना।			फोटो कॉपीयर, फैक्स मशीन, टेबल, अलमारी उपलब्ध कराना, वर्कस्टेशन की स्थापना करना और सूचना प्रौद्योगिकी सांधन तथा उपस्कर प्रदान करना।				
	ग. सांस्कृतिक	भारत के विविध समुदायों			(i) प्रकोष्ठ का सृजन।				

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	मानचित्र कला	में प्रचलित कला और शिल्पों की परंपराओं के विशिष्ट पहलुओं के साथ उसके पारिस्थितिकी तथा सांस्कृतिक रूप का चित्र तैयार करना।			(ii) शोध एवं फील्ड अध्ययन। (iii) एटलस तैयार करना,	अध्ययनों को प्रकाशित किया गया। अजरबेजान दूतावास के सहयोग से निजामीगंजवी पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। अतिशा दीपांकर पर एक आगामी अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार के लिए तैयारियां चल रही हैं। संतोकबा दुधत द्वारा तैयार महाभारत नामावली का फोटो प्रलेखन पूरा कर लिया गया हैः पाषाण कला परियोजना पर एक अंतर्राष्ट्रीय समारोह जिसमें मुख्य रूप से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विशेष लोक व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, पारंपरिक रीतिरिवाज शामिल हैं, निदर्शन हैं और पाषाण कला स्थल बूंदी तक एक क्षेत्रीय भ्रमण है। योजना तैयार की गयी। राम कथा और महाभारत पर कार्यवाही सेमीनार सहित लोक परंपरा के अंतर्गत प्रकाशन, डॉ. राशिद जहां पर परियोजना, अकीदत के रंग पर परिसंवाद कागजात का			मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, मैसूर विश्विद्यालय, एमजी विश्वविद्यालय केरल, सलीम अलीकेन्द्र कोयम्ब्टूर आदि जैसे विभिन्न संस्थानों/ संगठनों/विश्वविद्यालयों के साथ धान उत्पादन संवर्धनः पांडिचेरी विश्वविद्यालय के सहयोग से 'धान उत्पादन संवर्धन की व्याख्या सहित ग्रंथ सूची' की तैयार की गयी है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए इनके अतिरिक्त

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						संपादन पारंभ किया गया है।			विभिन्न अनुसंधान परियोजनाएं, फिल्म परियोजना और प्रकाशन कार्य प्रारंभ किये गए हैं।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	**संसाधन वृद्धि और आधुनिकीकरण**	इंदिरागांधी राष्ट्रीय कला केंद्र को कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय केंद्र के रूप में सेवा करने के लिए इसकी लिखित, मौखिक, श्रव्य, दृश्य रूपी मौलिक साधन सामग्री के भण्डार को बढ़ाएं और इसके दूसरे अनुभागों के अनुसंधान तथा प्रकाशन गतिविधियों को सहायता करें, और तकनीकी औजारी तथा प्रणाली को अन्नत और आधुनिक करके स्थापित करें। संसाधन सामग्री के निर्माण में कई प्रकार से वृद्धि करें। प्रौद्योगिकी का उन्नयन करें और प्रदर्शों और प्रदर्शनियों के लिए स्थायी दीर्घाओं को स्थापित करें।			(क) निम्नलिखित की खरीद करना (i) पुस्तकों (ii) जनर्लस (iii) दुलर्भ पुस्तकें (iv) व्यक्तिगत सग्रहों की खरीद (ख) आन्तरिक डिजिटल फोटोग्राफी और स्लाइड खरीद द्वारा स्लाइड संग्रह (ग) पाण्डुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग (घ) सांस्कृतिक अभिलेखीय सामग्री का अधिग्रहण (ड़) निम्नलिखित का आधुनिकीकरण (i) डिजिटल पुस्तकालय सूचना पद्धति (ii) टीका–टिप्पणी सूची ग्रन्थ इन्डेक्स (iii) रेपरोग्राफिक्स यूनिट (iv)श्रव्य–दृश्य उपकरण (च) सांस्कृतिक सूचनाएं (छ) दीर्घाओं का सृजन	विषयगत संग्रह, उन्नयन संर्दभ स्रोत का निर्माण, विचारवेत्ता के निजि संग्रह की पहचान कला और पुरात्तव विज्ञान के क्षेत्र में एबीआई के प्रकाशन की खरीद, दुर्लभ पुस्तक और प्रकाशन का अंकीकरण प्रारंभ किया गया। 50 पुस्तकों, 3 फिल्म पोस्टर, तीन नृजाति वस्तुओं आदि के संरक्षण हेतु उनका उपचार किया गया। पूर्वोत्तर की घटनाओं के 2800 फोटोग्राफों का प्रलेखन किया गया। माइक्रोफिल्मों के 300 रोल का अंकीकरणः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 27 हजार दुर्लभ चित्रों का अंकीकरणः 700 (1.5 लाख पृष्ठ) आइजीएनसीए पुस्तकालय के पुस्तकों, दुलर्भ पुस्तकों, रजिस्टरों आदि का पाठकीय अंकीकरणः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के 16 हजार पुस्तकों और 38 हजार पांडुलिपियां, सीसीआरटी के 50000 लाख चित्र, उड़ीसा			*सांस्कृतिक अभिलेखागार आदि से प्रत्येक 6 फिल्म वाली 500 प्रतियों और प्रत्येक 4 फिल्म वाली 100 प्रतियों का प्रकाशन। 11 फिल्मों से 5500 डीवीडी तैयार की गयी। माइक्रोफिल्मों के 300 रोल का अंकीकरणः एएसआई के 27000 दुर्लभ चित्रों का अंकीकरणः 700 (1.5 लाख पृष्ठ) आईजीएनसीए पुस्तकालय की पुस्तकों का मूल पाठ

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						के पुरातत्व स्थल का आंकडा आधार पूरा किया गया। गीत गोविंद के 18 बेटाकैम टेपो का अंकीकरण, सांस्कृतिक अभिलेखागारों से प्रलेखनः कलानिधि से 15 वीएचएस टेपः कलानिधि प्रभाग से 35 वीएचएस टेपः गीत गोविंद प्रलेखन के 15 बेटाकैम टेप			अंकीकरणः एएसआई की 16000 पुस्तकों और 38000 पांडुलिपियों को अंकीकृत किया गयाः सीसीआरटी के 50000 चित्र आदि।

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	**नवीनतम भवन की डिजाइन और संरचना को ध्यान में रखते हुए कार्यालय को फर्नीचर और उपस्कर से सुज्जित करना।**				फोटोकापी मशीन, फैक्स मशीन, मेज, अलमारी का प्रापण, कार्य स्थलों की स्थापना करना तथा सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण और उपस्कर प्रदान करना।	आधुनिक उपस्करों को संस्थापित करना, कार्य परिणाम में वृद्धि करना तथा बेहतर कार्य दशाएं पैदा करना।			
8.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**8.50**	**15.00**		अपने नियमित बजट के अतिरिक्त राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय को पूर्वोत्तर क्षेत्र में कार्यकलाप के लिए अतिरिक्त निधियां आवंटित की गयी हैं। कॉलम 4 (ii) के अंतर्गत बजट में टीएसपी शीर्ष के अंतर्गत प्रावधान भी शामिल हैं।	**8.32**	**26.00**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना सम्बंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**देश के विभिन्न भागों में थियेटर कार्यशालाएं और अंशकालीक कार्यशालाएं/ पाठ्यक्रम तथा अन्य प्रशिक्षण**	विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			देश भर में लगभग 90 थियेटर कार्यशालाओं का आयोजन किये जाने की योजना है। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा जिसका लक्ष्य विभिन्न राज्यों में तथा विविध भाषाओं को शामिल करते हुए थियेटर प्रेमियों को लाभान्वित करना	देश के विभिन्न भागों में 12 दिसंबर तक अल्पकालीन और गहन थियेटर कार्यशालाओं सहित 43 थियेटर कार्यशालाएं आयोजित की गयीं।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम चलाना।				होगा।				
(ii)	**दिल्ली और दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन करना**	बच्चों का व्यक्तित्व का उनकी अर्थ में प्रकटन करके विकास करना।			वर्ष के दौरान लगभग 20 बाल थियेटर कार्यशालाएं आयोजित की जानी प्रस्तावित हैं जिसका उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है जिससे बच्चे प्रश्न करने, निर्णय लेने और अभिरूची पैदा करने के प्रति प्रोत्साहित हो।	दिल्ली और दिल्ली के बाहर 4 कार्यशालाएं आयोजित की गई। जिसमें निर्माण अभिमुख कार्यशालाएं शामिल हैं।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	**गांवों में पारंपरिक समूह का सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन**	गांवों, थियेटर उत्सवों और प्रदर्शनियों में पारंपरिक समूहों के साथ सहयोगात्मक कार्यशालाएं आयोजित कर देश के विभिन्न भागों में प्रचलित कला रूपों के साथ नाटक कला में 3 वर्ष का डिप्लोमा प्रदान करना।			द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों में से प्रत्येक के लिए 6 निर्माण, अंतिम वर्ष के लिए 8 निर्माण, प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी ग्रीष्म गहन कार्यशाला, शीत गहन कार्यशाला प्रदर्शनियों सहयोग उत्सवों/निष्पादन सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में अन्य देशों के थियेटर संस्थानों के साथ और अन्य देशों के थियेटर उत्सव में भागीदारी सहित कार्य करते हैं।	– पारंपरिक समूहों के साथ थियेटर कार्यशालाएं निष्पादन आयोजित हुए। – द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा निष्पादन किये गये। (नाटक) 41 – चार नाटकों के डिप्लोमा निर्माण प्रदर्शन किए गए। – दिल्ली और दिल्ली के बाहर स्नातक निर्माण प्रदर्शन किए गए। – सीइपी के अंतर्गत विद्यार्थियों निर्माण के साथ विदेश दौरा किया गया। – दो प्रदर्शनियां आयोजित की गयीं।			
(iv)	**लोक, जनजातीय कला तथा शैक्षिक दौरों का संवर्धन**	छात्रों को मौजूदा लोक संगीत और जनजातीय कला रूपों से परिचित कराना।			परम्परागत समूह के साथ कार्यशाला और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक दौरे।	प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें से एक उत्तर प्रदेश में और दूसरा महाराष्ट्र में था।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(v)	**बच्चों के लिए वयस्क मंचन कला की रंगमण्डली का निर्माण (टीआई ई कंपनी)**	इसका उद्देश्य बच्चों के लिए व्यस्क मंच कला की रंगमंडली के निर्माण के माध्यम से बच्चों के लिए रंगमंचीय कार्य निष्पादन को बढावा देना है।			दिल्ली/एनसीआर में नाटकों के स्कूल में प्रदर्शन, दिल्ली में लगभग 10 केन्द्रों में बच्चों के साथ ग्रीष्म थियेटर कार्यशाला। रविवारीय क्लब कार्यकलाप (प्रत्येक समूह के साथ 30 सत्र), सहयोगी रूप से बच्चों के थियेटर उत्सव में भागीदारी। दिल्ली के बाहर टीआईआई कंपनी के भ्रमण प्रदर्शन*	– किताबों में हलचल और अदल–बदल नाटक के 10 प्रदर्शन हुए। – दिल्ली में ग्रीष्म थियेटर कार्यशाला और 8 केन्द्र। – दिसंबर 12 तक ग्रीष्म सप्ताहांत कार्यकलाप आयोजित किए गए। – टीआईई कंपनी के भ्रमण दौरे। – श्री जफरी द्वारा टीआईई अभिनेता, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। – नये नाटक का निर्माण चल रहा है।			*टीआईई अभिनेता और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, नये निर्माण, नये निर्माणों का प्रदर्शन
(vi)	**रंगमण्डली कम्पनी का विस्तार** **राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव और समानांतर रंगमंच उत्सव, राष्ट्रीय बाल रंगमंच उत्सव और बाल संगम/जश्ने**	भारत तथा विदेश में भारतीय नाटकों का प्रसार।			दिल्ली और दिल्ली से बाहर नाटकों का मंचन नए निर्माण शो, ग्रीष्म अत्सव में शो, नांदिकर उत्सव, ओक्टेव आदि जैसे थियेटर उत्सव में भागीदारी, समूहों के साथ बीआरएम सामूहिक प्रदर्शन में भागीदारी, हिंदी चल थियेटर सहरंगमंडली का निर्माण। राष्ट्रीय थियेटर उत्सव– – भारत रंग महोत्सव का आयोजन – राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रत्येक	– मई से जून 2012 तक आयोजित 34 ग्रीष्म थियेटर उत्सव – विभिन्न विषयों के 23 प्रदर्शन किए गए। – जनवरी 2013 में बीआरएम का आयोजन करने की तैयारी चल रही है। – नवंबर 2012 में जश्ने बचपन उत्सव का भी आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से 17 बाल थियेटर उत्सव समूहों			*उन क्षेत्रों की पहचान जिनमें थियेटर स्थानों के सुदृढीकरण और विकास आवश्यक हैं, प्रारंभ की जाएगी। प्रारंभ में पांच स्थानीय टीआईई कंपनी को

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बचपन **स्वतंत्र परिसर, क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र बैंगलूरु की स्थापना। विधार्थियों और अध्येताओं के लिए समीक्षा पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं, छात्रवृतियां/अध्येतावृतियां। पुस्तकालय का विकास** **नई स्कीमें** **क. प्रलेखन और अभिलेखागार यूनिट के प्रचालन को सुव्यवस्थित करना।** **ख. हिंदी, मोबाइल, थियेटर, सह रंगमंडली को विकसित और प्रेरित करना।**	थियेटर आंदोलन को समाज के निचले स्तर के लोगों तक पहुंचाना। – लोकप्रिय निर्माणों के साथ हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी चल थियेटर सह रंगमंडली का निर्माण करना। – विभिन्न भाषाओं में थियेटर कार्यकलाप में सुविधा प्रदान करना और दर्शकों की संख्या वर्धित रूप से बढ़ाना। – वृहत और बेहतर मान में सुविधाऐं प्रदान करना और सांस्कृतिक कार्यकलाप करना। – नई कार्यपद्धतियों और थियेटर कार्य व्यवहारों के			वर्ष बच्चों के लिए राष्ट्रीय बाल थियेटर उत्सव, जश्ने बचपन/बाल संगम का आयोजन करता है। – अल्पकालिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन। बच्चों और व्यस्कों दोनों द्वारा बाल थियेटर के क्षेत्रों को शामिल करने वाल कार्यक्रम। प्रमुख थियेटरकर्मी पर सेमिनार का आयोजन, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का प्रकाशन कार्यक्रम। आयोजित किये जाने वाले समीक्षा पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं, पुस्तकालय के लिए पुस्तकों व पत्रिकाओं की खरीद। – थियेटर संगीत रंगमंडली और टीआईई कंपनी का एनएसडी निर्माण। – दूरदराज के क्षेत्रों में चल थियेटर के प्रदर्शनों का आयोजन करना। – राज्य सरकारों के साथ सहयोग से विभिन्न भाषाओं में क्षेत्रीय कंपनियों की स्थापना। – वास्तुकार द्वारा तैयार आंकलन के अनुसार जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना है। – दूसरे देशों और विपर्यय में थियेटर शिक्षाविदों के पास जाने के लिए प्रस्तावित विद्यार्थियों/समूहों के एक शैक्षिक वर्ष में दो टीमें।	ने भाग लिया। – प्रस्ताव विचाराधीन। – बैंगलोर में भवन परिसर के निर्माण हेतु प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत – 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों के नये बैच का दाखिला राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा इन स्कीमों का कार्यान्वयन किया जाना शेष है।			राष्ट्रीय नाटीय विद्यालय द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ग. विभिन्न भाषाओं में क्षेत्रीय रंगमंडलियों की स्थापना। **घ. सुविधाओं/ प्रशासनिक पद को बढाने के लिए पुनर्विकास योजना तथा ढांचागत सुविधाओं का आधुनिकी करण।** **ड. विश्व प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ वैश्विक करण वार्ता के संदर्भ में सीइपी** **च. थियेटर समूहों के लिए थियेटर स्थानों और ढांचागत सुविधाओं का सुदृढीकरण और विकास** **छ. देश के राज्यों और क्षेत्रों**	लिए सांस्कृतिक आदान–प्रदान। – देश के विभिन्न भागों में लघु थियेटर समूहों की सहायता करना और वहां कार्यरत स्थानीय टीआईई कंपनियों को सहायता प्रदान करना।							

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रु. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	में स्थानीय टीआईई कंपनी को सहायता।								

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
9.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला वीथि (एन जी एम ए)**	भारतीय लोगों में दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति समझ और संवेदनशीलता पैदा करना तथा विशेष रूप से समकालीन कला के विकास का अंतरराष्ट्रीय स्तर के समान संवर्धन करना।	5.00	9.00			3.95	6.64	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना सम्बंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**नई दिल्ली, मुंबई और बैंगलूरू स्थित आधुनिक कला संग्रहालय का उन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण**	अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप संग्रहालय में समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।			अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलूरू में उत्कृष्ट कलावस्तुओं को प्रदर्शित करके आधुनिक कला संग्रहालय का सुव्यवस्थित अनुरक्षण। 11 विशेष प्रदर्शनियां, सभागार में कला से संबंधित कम से कम 650 फिल्मों की स्क्रिनिंग की जाएगी। 250 दौरे आयोजित किये जाएंगे। संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार को कला आरेख क्लब आयोजित किया जाता है। ग्रीष्म कला कार्यशाला आयोजित की जानी है। प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा संचालित कला तथा कला अभ्यास पर 20 सेमिनार आयोजित की जाने हैं। विशेष	संग्रहालय के सुव्यवस्थित प्रदर्शी के अनुरक्षण के अतिरिक्त, 13 विशेष प्रदर्शनियां जो भारतीय समकालीन कलाकारों और विदेशी कलाकारों दोनों के सम्बन्ध में सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत थी, वर्ष के दौरान एन जी एम ए, नई दिल्ली, मुम्बई और बंगलूरू में आयोजित की गईं। कला पर एन जी एम ए द्वारा साधारण जन समुदाय और विद्यार्थियों के लिए 750 फिल्म शो आयोजित किए गए। जून 12 माह में आयोजित ग्रीष्म कला			*ललित कला के विद्यार्थियों और अनुसंधानकर्ताओं और विद्वानों के लाभ के लिए कला संबंधी 23000 संदर्भ पुस्तकों के एक संग्रह का रख–रखाव किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान कलाकृतियों का उचित रख–रखाव सुनिश्चित करने

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					प्रदर्शनियों के 3 सूची–पत्र तथा 7 पोस्टर रिलीज़ किए जाने हैं। एन जी एम ए में संग्रहालय वस्तुओं से परिपूर्ण एक दुकान की स्थापना, मुम्बई और बंगलौर में कला संदर्भ पुस्तकालय का आधुनिकीकरण तथा कला संग्रह का डिजिटीकरण किया जाएगा। कलाकृतियों के संरक्षण तथा पुनरूद्धार और रिज़र्व कलेक्शन की कंडीशनिंग तथा क्लीनिंग का कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाना है। लगभग 200000 से अधिक कला प्रेमियों के इस संग्रहालय का दौरा किये जाने की संभावना है।	कार्यशाला में 200 बच्चों ने भाग लिया। लगभग 220 विद्यार्थियों का एक कला आरेख क्लब प्रत्येक रविवार के आयोजित किया जाता है। विभिन्न विद्यालयों से विद्यार्थियों के 151 समूहों के लिए वीथि दौरों का आयोजन किया गया तथा आयु समूहों के कुल 1199 विद्यार्थियों ने विथि को देखा। कला और कला अभ्यास पर प्रसिद्ध कलाकारों/कला आलोचको द्वारा 12 व्याख्यान आयोजित किए गए। एनजीएमए की कला दुकानों के माध्यम से प्रमुख कलाकारों के 6 पोर्ट फोलियों के विभिन्न प्रकारों, एक सूची पत्र का निर्माण किया गया और प्रकाशित किया गया। भारतीय और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों, प्रेस सम्मेलनों, प्रेस समीक्षाओं के विभिन्न प्रायोजित समूहों के लिए 9 दौरे आयोजित किए गए। एक सुव्यवस्थित कला			के लिए निवारक और सुधारात्मक उपाय किये गये तथा रिजर्व संग्रहों का वास्तविक सत्यापन किया गया। 86 कलाकृतियों की परम्मत की गयी और 2256 कलाकृतियों की सफाई प्रदर्शन और विशेष प्रदर्शनियों के लिए की गयी।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						संदर्भ पुस्तकालय			
10.	**एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता**	इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। भाषा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।	**8.95**	**7.20**			**5.37**	**4.20**	सामान्यतः गैर योजना अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**पुस्तकालय प्रणाली का विकास**	मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान के संवर्धन के लिए संस्थाओं को स्थापित करना, तैयार करना और उनका रख–रखाव करना।			जर्नल और पुस्तकों के साथ रीडर का संबंध बनाए रखने के लिए पुस्तकों, जर्नल आदि का अधिग्रहण और उनका परिरक्षण व रखरखाव।	कुल 2470 पुरूष और 2606 महिला पाठक जिनमें 131 विदेशी पाठक सम्मिलित हैं, को पुस्तकालय की सुविधाएं प्रदान करके सेवा की गई।			सतत प्रक्रिया
(ii)	**संग्रहालय तथा प्रयोक्ता सुविधा का विकास**	ऐसी पाण्डुलिपियों को परिरक्षित करना जिनमें पुरालेखों, सिक्कों, उत्कीर्णो तथा अत्यधिक मूल्यवान अश्मलेखों का समृद्ध संग्रह है। एमएसएस के इस प्रदर्शन का उपयोग काफी अनुसंधान कर्ताओं द्वारा किया जाता है।			एम.एस.एस, कलाकृतियों, चित्रों, सिक्कों आदि का अधिग्रहण इसका सूची पत्र तैयार करना और प्रलेखन करना। जिसमें विद्वान दर्शकों के निरीक्षण के लिए मौजूदा और पूराने दोनों अभिलेखीय सामग्री शामिल है।	166 भारतीय तथा 79 विदेशी आगंतुकों/अनुसंधान अध्येताओं ने दौरा किया।			सतत प्रक्रिया
(iii)	**दुर्लभ पुस्तकों, एमएसएस का अनुरक्षण और संरक्षण एवं रेपरोग्रैफिक इकाई का विकास।**	जीर्ण–शीर्ण (भंगुर) और कमजोर पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और सोसाइटी के संग्रहालय और पुस्तकालय में रखी हुई अन्य प्राचीन वस्तुओं के संरक्षण के लिए प्रभावी उपाय करना। उनकी माइक्रोफिल्म सुविधाएं माइक्रोफाइ सेवाएं।			दुर्लभ और सामान्य पुस्तकों, एमएसएस आदि को कार्य सम्बन्धी प्रक्रिया और सर्विस विभाग की अनुरक्षित करना, दुर्लभ पुस्तकों और एमएसएस का प्रलेखन।	पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य विभागों की दुर्लभ पुस्तकों, एमएसएस चित्रकारी आदि को संरक्षित करना। पुस्तकालय, संग्रहालय और अन्य कार्यात्मक तथा सेवा विभागों को सेवा प्रदान की जाएगी।			सतत प्रक्रिया

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	**प्रकाशन कार्यक्रम**	उच्च शैक्षिक स्तर का प्रकाशन निकालना जिसके लिए सोसायटी अध्येता जगत में प्रसिद्ध है। बिबलियोंथिका इण्डिका श्रृंखला के तहत पुस्तकों के प्रकाशन पर विशेष बल दिया जाता है।			इस वर्ष के दौरान 7 पुस्तकों का प्रकाशन, 7 पुस्तकों का पनर्मुद्रण, 4 पत्रिकाएं, 10 एम बुलेटिन और 8 पुस्तिकाएं प्रकाशित की गईं।	पुनर्मुद्रण 2 पत्रिकाओं, 7 एम बुलेटिनों, 5 पुस्तिकाओं सहित 6 पुस्तकों का प्रकाशन।			सतत प्रक्रिया
(v)	**शोध कार्य में संवर्धन**	विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण प्रदान करना, सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशाला आदि आयोजित करना।			विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करने, प्रशिक्षण प्रदान करने और सेमिनार, व्याख्यान तथा कार्यशालाएं आयोजित करने के लिये 26 परियोजनाएं, 14 बाहय परियोजनाऐं, 5 सेमिनार, 32 व्याख्यान, 1 प्रदर्शनी/कार्यशाला और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2 कार्यशालाएं	20 परियोजनाएं, 17 बाहय परियोजनाएं, 3 सेमीनार, 17 व्याख्यान			सतत प्रक्रिया
(vi)	**विकास कार्य और सुरक्षा व्यवस्थाएं**	स्थान की कमियों को दूर करने के लिए विस्तार कार्यक्रम			भवन के जीर्णोद्धार, फर्नीचर, कम्प्यूटर के अधिप्रापण, नेटवर्किंग, उन्नयन आदि के लिए सोसायटी का सिविल कार्य	सोसायटी के लिए कम्प्यूटर नेटवर्किंग और उन्नयन के साथ निर्माण कार्य पूरा हो जाने की आशा है।			
11.	**सांस्कृतिक स्रोत एवं**	संस्कृति के साथ शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में	**4.16**	**11.00**			**2.82**	**9.74**	सामान्यतः योजनेत्तर

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली	कार्यरत अकादमियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य है।							अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**विद्यालय के छात्रों में संस्कृति का प्रचार**	विद्यालय के शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों इत्यादि के लिए देश के विभिन्न भागों में विभिन्न सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे–प्रबोधन प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आदि आयोजित करना। सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के स्कूली विद्यार्थियों तथा बच्चों के लिए शैक्षिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुनर्वास तथा बस्ती कालोनियों के बच्चों तथा शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाएं।			विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 5000 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। 5000 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाना है। 5000 छात्रों को सामुदायिक तथा विस्तार कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशिक्षित किया जाना है। देश के विभिन्न राज्यों में 200 सांस्कृतिक क्लबों की स्थापना। भारतीय कला और संस्कृति के संबंध में 50 व्याख्यान आयोजित किये जाएंगे। पुनः मुद्रण सहित 20 प्रकाशन प्रकाशित किये जाएंगे। 1000 शिक्षा किटें तैयार की जाएंगी।	3529 शिक्षक/प्रशिक्षकों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है। 4200 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। 46993 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। देश के अनेक राज्यों में 92 संस्कृति क्लब स्थापित किए गए। भारतीय कला और संस्कृति के संबंध में 36 व्याख्यान आयोजित किये गये। **निर्माण** 847 शैक्षिक किट तैयार किए गए। पुनर्मुद्रण सहित 17 प्रकाशन प्रकाशित किए गए।			सीसीआरटी गुवाहाटी स्थित अपने क्षेत्रीय केन्द्र के माध्यम से पुर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न प्रशिक्षणों/शैक्षिक/सेमिनारों/कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सी टी एस एस)**	10–14 वर्ष आयु वर्ग में उत्कृष्ट युवा बच्चों को मंचकला और अन्य कलाओं के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करके उनको सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य है।			सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत छात्रवृत्तियां 520 प्रदान की गई जिसमें 20 छात्रवृत्तियां विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए अरक्षित थी, वे भी शामिल हैं। छात्रवृत्ति धारकों के लिए 4 सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन किया जाना है।	पूर्वोत्तर सहित देश के सभी भागों से 491 बच्चों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई हैं। छात्रवृत्ति धारकों के लिए 1 सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किया गया है।			पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन केन्द्रीय चयन विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है।
12.	**विशिष्ट मंच कला परियोजनाओं (नृत्य, नाटक और मंडलियाँ) के लिए व्यावसायिक समूहों और व्यक्तियों को वित्तीय सहायता**	गुरू–शिष्य परंपरा का संवर्धन तथा मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना।	**1.55**	**37.63**	प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सांस्कृतिक कार्यकलापों से जुड़े संगठनों को सहायता प्रदान की जाती है।	828 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता दी गई है।	**0.13**	**32.88**	इसमें महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत प्रावधान तथा टीएसपी के अंतर्गत अनु0 ज0 जा0 आवेदकों के लिए 30 प्रतिशत प्रावधान शामिल है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
13.	**गांधी शांति पुरस्कार**	भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के भाग के रूप में अहिंसा और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक परिवर्तन के लिए वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की है।	**1.55**	**0.00**	इस पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता का चयन निर्धारित प्रक्रिया कोड के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक जूरी द्वारा किया जाता है।	इस पुरस्कार को प्रदान करने के लिए किसी नामांकन पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।	**0.04**	––	2005 से गांधी शांति पुरस्कार नहीं दिया गया है। प्रत्येक नामित व्यक्ति से संबंधित प्रस्ताव तैयार किया जाता है तथा इन्हें एक पुस्तिका में संकलित किया जाता है जिसे पुरस्कार प्राप्त करने वाले का चयन करने के लिये जूरी को प्रस्तुत किया जाता है।
14.	**राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एन सी एफ)**	एनसीएफ का उद्देश्य स्वयं की खोज करना है ताकि यह अधिक से अधिक लोगों के साथ कार्य कर सके। कार्पोरेट क्षेत्र के साथ अपेक्षाकृत अधिक सहयोग हेतू पहल कर सके और	**0.00**	**0.01**	1.शिपिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया ने शौर मंदिर महाबलीपुरम के आस–पास शौचालयों और भूदृश्य तथा साइनेज के निर्माण लिए एनसीएफ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।	एनसीएफ ने 2012–13 के दौरान 4 परियोजनाओं को फिर से चालू किया है और सीएसआर के माध्यम से तीन नयी परियोजनाओं की पहल की है तथा तीन समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सभी	––	**0.00**	*अजीमगंज सराय बैगलूरू स्टोरी स्केप्स (सृष्टि): इतिहास अध्ययन जो दिल्ली नागरिक

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		लोगों को जागरूक कर सके कि केवल उनके सहयोग से ही संस्कृति का विकास होगा।			2.मंगलौर विश्वविद्यालय में विरासत भवनों के लिए मंगलोर रिफाइनरी, मंगलौर केमिकल और फर्टीलाइजर्स तथा मंगलौर पावर कंपनी से निजी करण के लिए अनुरोध किया जाएगा जो लगभग 8.00 करोड रुपये होगा। 3.ऑल इंडिया रेडियो बिल्डिंग (ब्रॉडकास्टिंग हाउस) के लिए प्रसार भारती के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाएगा। 4.एएसआई सौर प्रकाश परियाजनाओं के लिए परियोजना का निधिकरण करने हेतु मैसर्स रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन कॉर्पोरेशन से संपर्क किया गया है। 5.ब्रिटिश रजिडेंसी (हैदराबाद) के संरक्षण जैसी अन्य विभिन्न परियोजनाएं, संरक्षण और पुनर्प्रयोग*	परियोजनाएं अच्छी तरह चल रही हैं।			स्मृति (अम्बेडकर विश्वविद्यालय के प्रति है): एनेगंडी, टीकेटी में आइटी केन्द्रः कुलवंत राय रिट्रोस्पेक्टिव एग्जिविशन, आईपीएएफ आदि उचित पक्षों/निगमों से आपात कार्य हेतु निधिकरण की अपेक्षा से विचाराधीन हैं।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
15.	**जयन्ती/वर्षगांठ समारोह**	महत्वपूर्ण व्यक्तियों तथा घटनाओं की जयन्तियां तथा वर्षगांठ मनाना।							
15.1	**भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण की 2550वीं वर्षगांठ मनाना**	आनंद बुद्ध विहार ट्रस्ट, सिकंदराबाद, आंध्रप्रदेश द्वारा रसोईघर से शयनशाला का निर्माण	**0.10**	**0.00**	1.00 करोड रुपये की अनुमोदित राशि में से अनुदान की पहली किश्त के रूप में 50.00 लाख रुपये की राशि जारी की गयी। पहली किश्त के उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त न होने के कारण अनुदान की दूसरी किश्त जारी नहीं की जा सकी।	अनुस्मारकों को जारी करने के बावजूद अनुदान की पहली किश्त का उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विलंब के कारणों का पता न चल पाने के कारण इस शीर्ष के अंतर्गत आवंटित 10.00 लाख रुपये की तीसरी किश्त अब तक जारी नहीं की जा सकी।	**0.00**	--	
15.2	**लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ती मनाना**	(i) इंदौर (मध्यप्रदेश) और मांडा (उत्तरप्रदेश) में दो लाल बहादुर शास्त्री पॉलीटेकनिक की स्थापना। (ii) रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान, नई दिल्ली में लाल बहादुर शास्त्री चेयर की स्थापना। (iii) लाल बहादुर शास्त्री स्मारक ट्रस्ट नई दिल्ली को वार्षिक अनुरक्षण अनुदान	**0.01**	**2.00**	दो पॉलीटेकनिक का वास्तविक सत्यापन कर दिया गया है। निर्माण कार्य जारी है। मौजूदा वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान 1 करोड़ रुपये की राशि जारी की जाएगी।	निर्माण कार्य जारी है। इस स्थायी चेयर पर किये जाने वाले वास्तविक व्यय की प्रति पूर्ति की जाएगी। वर्ष 2012–13 के दौरान गैर योजना स्कीम के अंतर्गत स्मारक के अनुरक्षण हेतु निधियां प्रदान करने के लिए अनुदानों की पहली और दूसरी अनुपूरक मांगों में प्रस्ताव किया गया है।	**0.00**	--	बचत के रूप में 1 करोड़ रुपये का अभ्यर्पण कर दिया गया है तथा एक करोड़ रुपया शीघ्र जारी किया जाना है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
15.3	**प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम, 1857 की 150वीं वर्षगांठ मनाना**	हमारे महान नायक/नेता जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन को न्योछावर कर दिया, उनके बलिदानों को उजागर करने और उनको श्रृद्धांजलि अर्पित करने के लिए। लोगों को, विशेष रूप से युवा पीढ़ी को, अपने स्वतंत्रता संघर्ष के संबंध जागरूक करने, उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना की भरने और विगत 60 वर्षों को राष्ट्र की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालने के लिए।	0.20	2.00	शहीद भगत सिंह स्मारक की परियोजना को पूरा करने के लिए चेयर की स्थापना हेतू एन आई सी द्वारा यथा अनुमोदित कार्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं।	कार्यकारी अभिकरणों द्वारा परियोजनाओं के कार्य किए जा रहे हैं।	0.11	––	इन परियोजनाओं को पूरा किया जाना निधियों की उपलब्धता पर निर्भर है।

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
15.4	**खालसा विरासत परियोजना को वित्तीय सहायता**	लोगों विशेषतः युवा पीढ़ी में खालसा विरासत की घटनाओं से भावना पैदा करने के लिए उसकी महत्वपूर्ण घटनाओं के मुख्य पहलुओं का प्रसार करना।	0.00	6.00	पंजाब सरकार को तिमाही आधार पर खर्च की गई राशि के पुनर्भुगतान के रूप में केन्द्र सरकार के 1/3 हिस्से (योजनागत) के भाग के रूप में खालसा विरासत परियोजना हेतु निधियां दी जारी हैं।	आनंदपुर साहिब प्रतिष्ठान के लिए व्यय की प्रतिपूर्ति के रूप में पंजाब सरकार को 3. 72 करोड रुपये की निधियां जारी की गयी हैं।	––	3.72	
15.5	**गुरू–ता–गद्दी की त्रि–शताब्दी**	श्री गुरू ग्रंथ साहिब की गुरू–ता–गद्दी की त्रि–शताब्दी के भाग के रूप में आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो का अवसंरचना विकास करने के लिए लक्षित।	0.01	0.00	इसको पूरा करने के लिए सतत परियोजना का प्रावधान प्रस्तावित है।	इसको पूरा करने के लिए सतत परियोजना का प्रावधान प्रस्तावित है।	0.00	––	पूरे वर्ष
16.	**अन्य स्कीमें/संस्थाएं (कला और संस्कृति का संवर्धन)**		42.37	140.86					
क.	**केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ तिब्बती अध्ययन का केंद्रीय**	तिब्बत और भारत के हिमालय की सीमा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया।	8.00	6.00			5.81	4.50	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विश्वविद्यालय								

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**पुस्तकालय का विकास**	पुस्तक और पत्रिका, ई–दस्तावेज और उपस्कर खरीदे जाएंगे।			2100 पुस्तक और पत्रिकाएं, ई–दस्तावेज तथा कुछ उपस्कर खरीदे जाएंगे।	1500 पुस्तकें और पत्र, ई–दस्तावेज खरीदे गये हैं।			
(ii)	**प्रकाशन और मुद्रण**	पुस्तकों का प्रकाशन			10 पुस्तकों का प्रकाशन	7 पुस्तकें प्रकाशित की गईं।			
(iii)	**दुर्लभ बौद्ध पाठों का अनुसंधान, पुनरूज्जीवन और अनुवाद इकाई भाषा प्रयोगशाला की स्थापना, बौद्धिक सम्पर्क को प्रोत्साहन, विद्वानों, सम्मेलनों और सेमिनारों का आदान–प्रदान, दरभंगा संस्थान को महायान बौद्धसंस्कृति श्रृंखला पाठ की पुनर्सपादन और प्रकाशन परियोजना।**	भारतीय सीमा क्षेत्र के विद्यार्थियों, जिन्होंने तिब्बत में उच्चतर शिक्षा प्राप्त की है, को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना।			वार्षिक पत्रिका 'धी' का प्रकाशन, एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है, 35 अध्यायों का संपादन किया जाएगा तथा पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण किया जाएगा। ग्रंथ के 585 पृष्ठों (तिब्बती और संस्कृत) का अनुवाद और जीर्णोद्धार किया जाएगा। एक कार्यशाला का आयोजन किया जाना है। भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी। राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार और परिसंवाद का आयोजन किया जाएगा। एमबीएसएस की दरभंगा संस्थान के पुर्नसंपादन का कार्य चल रहा है। तिब्बती चिकित्सा कोष 6900 शब्द प्रविष्टि।	वार्षिक पत्रिका 'धी' प्रकाशित और 18 अध्याय संपादित। ग्रंथ के 225 पृष्ठों (तिब्बती और संस्कृत) का अनुवाद और जीर्णोद्धार एक सेमिनार/बैठक और कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। एक राष्ट्रीय सेमिनार भी आयोजित किया गया है। एमबीएसएसटी दरभंगा संस्थान के पुनर्सपादन का कार्य चल रहा है। इग्नू के सहयोग से शिक्षा कार्यक्रम चल रहा है। भवन की मरम्मत और रखरखाव का कार्य भी चल रहा है।			*तिब्बती–संस्कृत–ज्योतिष– 3550 शब्द प्रविष्टि, विनय कोष 2500 शब्द प्रविष्टि, संस्कृत–तिब्बती –कोष–50000 शब्द प्रविष्टि, नाम कोष 1000 शब्द प्रविष्टि।
	नई स्कीमें **कम्प्यूटर केन्द्र,**	अन्य संस्थानों के साथ आइटी अनुप्रयोग, सहयोग को बढ़ावा देना। संस्कृत			अन्य संस्थानों के साथ आइटी अनुप्रयोग, सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ढांचागत सुविधाएं	कम्प्यूटर केन्द्र के ढांचागत विकास के लिए अस्थाई मानव शक्ति को तैनात किया			xii वी योजना के दौरान जिन नई स्कीमों का

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अंतर बौध तिब्बती संस्थान सहयोग, अंतर विश्वविद्यालय सहयोग, विस्तार, विज्ञापन पर व्याख्यान और अल्पकालीन पाठ्यक्रम, पुणे में शाखाओं की संस्थापना, सोवा रिगपा के शिक्षण समुदाय का विकास और इसके भवन का निर्माण शिल्प विद्या का विकास, तिब्बती संस्कृति का संग्रहालय और इसके भवन का निर्माण औषधीय पौधों पर परियोजना कार्य	और तिब्बती स्रोतों से बौध कार्य का अनुवाद, तिब्बती/बौध दर्शन का प्रसार, सोवा रेगपा का प्रसार और इसका जागरूकता संवर्धन, तिब्बती कला वस्तुओं का संग्रह।			प्रदान करना। संस्कृत और तिब्बती स्रोतों से बौध कार्य का अनुवाद, तिब्बती/बौध दर्शन का प्रसार, सोवा रेगपा का प्रसार और इसका जागरूकता संवर्धन, तिब्बती कला वस्तुओं का संग्रह।	गया है। अंतर बौध/तिब्बती संस्थान सहयोग कार्यक्रम का 50 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। तिब्बती, बौध दर्शन का प्रसार प्रारंभ किया गया है। सौवा रेगपा विभाग का विस्तार चल रहा है।			प्रस्ताव किया गया था। उनका कार्यान्वयन किया गया।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ख.	**केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह**	बौद्ध विचारों और साहित्य की शिक्षा के प्रसार के माध्यम से छात्रों के बहुपक्षीय व्यक्तित्व का विकास करना और बौद्ध अध्ययन आदि से संबंधित अनुसंधान कार्यों और दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संग्रह, संरक्षण, अनुवाद तथा प्रकाशन के संबंध में उन्हें आधुनिक विषयों से अवगत कराना।	5.50	7.00			4.11	3.98	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	**भवन निर्माण**	सीआईबीएस और डीपीएस ज़न्सकार के लिए वास्तविक ढांचा का निर्माण			सीआईबीएस और डीपीएस ज़न्सकार के लिये निर्माण कार्य इस वर्ष के दौरान सीपीडब्ल्यूडी के माध्यम से जारी रहेगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सीआईबीएस को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान करना।	सीआईबीएस और डीसीएस ज़न्सकार के लिए अवसंरचना प्रगति पर है।			यह निर्माण कार्य चरणबद्ध रूप में सीपीडब्ल्यूडी और राज्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से कराया जा रहा है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**वर्तमान गोनपा/मठीय विद्यालयों के लिए प्रावधान। दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों का प्रकाशन, परम्परागत लद्दाखी कला और संस्कृति का परिरक्षण। हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोश का संकलन**	विद्यार्थियों के लिए शिक्षक नियुक्त करके और वजीफा देकर गोनपाओं के शैक्षिक कार्यकलापों में सहायता प्रदान करना।			सीआईबीएस और डीपीएस जंसकार के लिए वास्तविक ढांचा का निर्माण 50 गोमपा/मठीय विद्यालय चल रहे हैं। प्रोफेसरों, व्याख्याताओं, अनुभाग अधिकारियों और सहायकों के वेतन को शैक्षिक स्तर के अनुसार रखा जाना है। – 4 अनुसंधानवेत्ता उन्हें प्रदान की जा रही यूजीसी की पद्धति के अनुसार अध्येतावृति और आकस्मिक निधि प्राप्त करते हुए पीएचडी के लिए अनुसंधान कर रहे हैं।	गोमपा/मठीय विद्यालयों का सुधार। डीपीएस ज़ंसकार के लिए शिक्षकों के नवसृजित पदों के वेतन, संवितरित पीएचडी के लिए अनुसंधान वेत्ताओं हेतु अध्येतावृति और आकस्मिक निधि प्रदान किया गया। दुर्लभ पुस्तकों, पाण्डुलिपियों का प्रकाशन, सेमिनार/परिसंवाद/व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन, लद्दाखी कला और संस्कृति का परिरक्षण, पुनश्चर्या पद का संचालन पुस्तकालय के लिए पुस्तकों का अधिग्रहण आदि।			हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोश का संकलन चल रहा है। हिंदी और अंग्रेजी में तीन बौद्ध दर्शन पाठों का अनुवाद हिंदी–तिब्बती, तिब्बती–हिंदी शब्दकोश का संकलन संस्थान का कम्प्यूटरीकरण, इंटरनेट और नेटवर्किंग।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					– दुर्लभ पुस्तकें/पाण्डुलिपियों का प्रकाशन, सेमिनार/संगोष्ठी का आयोजन, व्याख्यान श्रृंखलाऐं, पारंपरिक लद्दाखी कला संस्कृति का परिरक्षण, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का संचालन, पुस्तकालय के लिए पुस्तकों का अधिग्रहण, रसोईघर के ईंधन की व्यवस्था, भवन के लिए फर्नीशिंग/फर्नीचर की व्यवस्था सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा रखरखाव और सेवा।	हिमालयी बौद्ध संस्कृति के विश्वकोश का संकलन चल रहा है। बौद्ध दर्शन पाठ का हिंदी/अंग्रेजी में अनुवाद और हिंदी–तिब्बती तथा तिब्बती–हिंदी शब्दकोश का संकलन चल रहा है। भूमि का विकास करके कम्प्यूटरीकरण, इंटरनेट और नेटवर्किंग किया जा रहा है। बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय कायलिंग का अधिग्रहण किया गया। पुस्तकालय के संग्रह में 721 पुस्तकें और 75 पत्रिकाओं को जोड़ा गया था।			बौद्ध दर्शन संस्कृत विद्यालय केलांग का अधिग्रहण, सीआईबीएस लेह के शाखा विद्यालय के रूप में किया गया।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ग.	**गांधी स्मृति और दर्शन समिति**	विभिन्न सामाजिक–शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके महात्मा गांधी के जीवन, मिशन और विचारों का प्रचार करना।	4.25	8.00			3.09	4.89	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप **1. शैक्षिक संस्थानों के साथ नियमित कार्यक्रम** **क) बच्चों के बीच गाँधीवादी विचारधारा का प्रचार–प्रसार**	विभिन्न शिविरों और कार्यशालाओं के माध्यम से महात्मा गांधी के जीवन संदेश और समाजिक विषयों से बच्चों को अवगत कराना।			शैक्षिक संस्थाओं के साथ नियमित कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में हम वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों/सिविल सोसायटी संगठनों से 5000 से अधिक बच्चों और विद्यार्थियों तक पहुंचे और महात्मा गांधी के जीवन संदेश को उन तक पहुंचाया।	देश के विभिन्न भागों में और गांधी स्मृति में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।			
	2. युवाओं के लिए कार्यक्रम	सृजनात्मक कार्य के लिए युवाओं को अभिप्रेरित कर			युवाओं के साथ कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, महात्मा	विभिन्न राज्यों में युवा संबंधी कार्यक्रम/प्रशिक्षण/कार्यशालाएं आयोजित की गयीं। – इन कार्यक्रमों के माध्यम से समिति ने विभिन्न			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		उन्हें शामिल करना तथा महात्मागांधी के संदेश को आगे ले जाना।			गांधी के जीवन संदेश को आगे ले जाने के लिए वर्ष के दौरान देश के विभिन्न भागों में विभिन्न शैक्षिक संस्थानों/सिविल सोसायटी संगठनों से 5000 से अधिक युवाओं तक गांधीवादी विचारों को पहुंचाया।	सृजनात्मक और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए देश के विभिन्न राज्यों में महिलाओं को यह संदेश पहुंचाया और उन्हें शामिल किया।			
	3. महिलाओं के लिए कार्यक्रम	महिलाओं के सशक्तिकरण और महिलाओं पर हो रहे हिंसा के विरूध संघर्ष करने के लिए कार्य करना इसका उद्देश्य है।				गांधी जयंती, शहीद दिवस, कस्तुरबा निर्वाण दिवस और अन्य महत्वपूर्ण दिनों में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह उल्लेखनीय है कि जबकि गांधी जयंती और संबंधित दिनों को आत्म निरीक्षण और प्रार्थना दिवस के रूप में मनाया जाता है, कस्तुरबा निर्वाण दिवस को सृजनात्मक कार्यक्रमों जैसे करघा यज्ञ के रूप में मनाया जाता है।			
	4. स्मृति कार्यक्रम	महात्मा गांधी के संदेश जैसे सत्याग्रह और अहिंसा के गांधीवादी सिद्धांतों को जनता के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाना और महात्मा गांधी के जीवन के महत्वपूर्ण दिनों को मनाना इसका उद्देश्य है।			इस कार्यक्रम के माध्यम से हमने वर्ष के दौरान देश भर में लगभग 5000 हजार महिलाओं तक गांधीवादी विचारों को पहुंचाया। इस जागरूकता कार्यक्रम को वर्ष के दौरान 5000 हजार लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य है।	बड़ी संख्या में क्षमता निर्माण कार्यक्रम/वेबसाइट प्रशिक्षण आयोजित किये गये।			
	5. जीएसडीएस में नियमित कार्यक्रम	जीएसडीएस में विभिन्न कार्यकलाप के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, चरखा, कताई आदि के माध्यम से वंचित और हाशिये पर पड़े लोगों की क्षमताओं का विकास करना इसका उद्देश्य है।			वर्षभर में बड़ी संख्या में युवाओं/महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।				

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रसार	ऐसे कार्यकलाप शुरू करना जो महात्मा गांधी के जीवन, कार्य और विचारों की बेहतर समझ पैदा करें।			आवर्तिता के अनुसार प्रकाशन किया जाता है।	वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन किए जाएंगे। 1. वार्षिक रिर्पोट 2. अनासक्ति दर्शन 3. अंतिम जन			समाज के अभाव ग्रस्त वर्ग के लिए जीवन यापन के अवसरों में सुधार करने के लिए पूर्वोत्तर के बच्चों को भागीदारी के कार्यक्रम।
	अवसंरचना कार्यक्रम	गांधी कार्यों में जुड़े अन्य सरकारी संगठनों के परामर्श और सहयोग से महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित निजी दस्तावेजों और अन्य ऐतिहासिक सामग्री का अधिप्रापण, रखरखाव और परिरक्षण करना। गांधी दर्शन काम्पलेक्स में मंडप और गांधी स्मृति में शहीद कॉलम का रखरखाव करना।			बेहतर अवसंरचना से समाज के विभिन्न वर्गों के साथ प्रभावी समन्वय और संपर्क होता है।	इन प्रकाशनों के माध्यम से महात्मा गांधी के संदेश और अन्य सामाजिक मुद्दों को उठाया गया जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से समाज के लगभग 20 हजार बच्चों, युवाओं और अन्य लोगों तक पहुंचे। – रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान परिसर का रखरखाव किया गया है।			
	पूर्वोत्तर	इन पहलों का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों तक पहुंच बनाना है।			वर्ष के दौरान समिति ने सम्मेलनों का आयोजन किया।	– महिला सशक्तिकरण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बाल विकास और भागीदारी स्वयं सेवी संवर्धन विषयों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य गांधीवादी सृजनात्मक कार्य को बढ़ावा देना था।			
घ.	**नव नालंदा महाविहार, नालंदा, बिहार**	प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व ख्याति को पुनः प्राप्त	**2.50**	**3.50**			**2.25**	**3.19**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		करना और पाली भाषा, साहित्य और बौद्धशास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान शुरू करना।							प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(i)	**पुस्तकालय सेवा में सुधार और विकास**	पाली, बौद्ध दर्शनशास्त्र, प्राचीन इतिहास, संस्कृति तथा वास्तु कला, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि की नई पुस्तकें खरीद कर पुस्तकालय का विकास करना।			वर्ष के दौरान हजार से अधिक पुस्तकें खरीदे जाने की आशा है और पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण प्रारंभ कर दिया जाएगा।	विद्यार्थियों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए पाठ्य पुस्तकों की खरीद करने की आशा है।			ताइ, खामटी, मोनप्पा आदि के बौद्ध समुदाय के प्रचलित रीति रिवाजों के प्रलेखन पर पूर्वोत्तर कार्यकलाप आदि और वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने का विचार है।
(ii)	**जुआंग जुंग स्मारक हॉल का विकास**	एक्स ज़ेड एम के बाहर और अन्दर चित्र, भित्तिचित्र जैसी सृजनात्मक कृतियां लगाना तथा भू–सौंदर्यकरण इत्यादि करना।			जुआंग जंग की जीवनी से जुड़े विभिन्न चित्र तथा भित्तिचित्र संरक्षित करने के लिए एक अलग भवन का निर्माण करने के प्रस्ताव के अतिरिक्त नियमित अनुरक्षण एवं विकास कार्य किए जाएंगे।	जुआंग जंग की जीवनी से संबंधित बहुत से चित्र और भित्ति चित्र			
(iii)	**सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, कार्यशाला,**	बौद्ध विचारों के संवर्धन और विस्तार के लिए अन्तर–संस्था में आदान–प्रदान के आधार			एनएनएम स्ततंत्र रूप से अथवा अन्य संस्थानों के सहयोग से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों तथा	लगभग 8 कार्यशालाएं, 2 सेमिनार और 2 सीईपी के आयोजन किए जाने की संभावना है।			पूर्वोत्तर भारत में बौद्ध जीवन दर्शन की कार्यवाही को

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सेमिनार और सम्मेलन	पर सेमिनार, कार्यशाला आदि का आयोजन।			कार्यशालाओं आदि का आयोजन करेगा।				भी वर्ष 2011–12 में किया जाएगा।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	**(i) कम्प्यूटर नेटवर्किंग और आइटी अनुप्रयोगो का विस्तार करना।** **(ii) महावीरा के मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृति अवार्ड**	कम्प्यूटरों और नेटवर्क प्रणालियों के साथ पुर्ण आइटी वाले संस्थान की स्थापना करना। मेधावी विद्यार्थियों की सहायता करना।			प्रसिद्ध फर्म से कोटेशन प्राप्त करने और अपेक्षाकृत अधिक कम्प्यूटरों की खरीद तथा एनएनएम के लिए इसके नेटवर्किंग प्राप्त करने की प्रकिया। इससे विदेशी और भारतीय विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।	पहले से ही उपलब्ध कम्प्यूटरों तथा कुछ और कम्प्यूटरों की खरीद पर चालू और रखरखाव व्यय। भारतीय और विदेशी छात्रों को इससे लाभ होगा।			
(v)	**पुराने और नए प्रकाशनों का मुद्रण तथा प्रलेखन प्रदर्शनी**	इसका मुख्य उद्देश्य पहले आयोजित किये गये सेमिनारों की कार्यवाहियों और अनुसंधान आधारित सामग्रियों का मुद्रण तथा पुनः मुद्रण करना और प्रदर्शनी आयोजित करके तथा इसका प्रलेखन करके भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को प्रोत्साहित करना और प्रचार–प्रसार करना।			वार्षिक और लेखा रिपोर्ट का मुद्रण, सेमिनार कार्रवाई और पुरानी पुस्तकों का पुनर्मुद्रण कार्य किया जाएगा। नालन्दा और बौद्ध दर्शन के सिद्धांत के आधार पर एक प्रदर्शनी लगाई जाएगी।	पूर्व सेमीनार, पाली पाठ आदि को कार्रवाई से संबंधित मुद्रण।			
(vi)	**पाली–हिंदी शब्दकोश परियोजना**	योजना का मुख्य उददेश्य विशेष पाली–हिंदी शब्दकोश बनाना है।			दिनांक 10.8.2011 को बिहार के राज्यपाल द्वारा पाली हिंदी शब्दकोश के भाग–3 को जारी किया गया।	बीओएम के अनुमोदन से नियत पारिश्रमिक पर तीन ख्याति प्राप्त विद्यवानों को नियुक्त किया गया है। उनकी सहायता करने के लिए तीन और सहायकों को नियुक्त किया गया है।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vii)	**100 बिस्तारों के नये छात्रावास और सम्मेलन हॉल का निर्माण उद्यानों का विकास और आवासीय परिसर (10 क्षेत्र) में भूमि का अधिग्रहण**	विदेशी विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाऐं प्रदान करना तथा पर्यावर्णीय प्रवेश का विकास करना। नवनालंदा महाविहार (एनएनएम) के कर्मचारियों के लिए बेहतर जीवन सुविधाएं प्रदान करना।			सीपीडब्ल्यूडी पटना द्वारा निर्माण कार्य किया जाना है। उद्योनों की छटाई पोषण, रोपण और सामान्य रखरखाव, भूमि अधिग्रहण के लिए भुगतान राज्य सरकार को किया जाना है।	सीपीडब्ल्यूडी के अभिरक्षण में निधियां रखना। निर्माण कार्य चल रहा है।			निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी पटना द्वारा किया जाना है।
(viii)	**शैक्षिक भ्रमण, क्षेत्रीय कार्य, आंकडा संग्रह और अतिथि प्रोफेसरों को मानदेय सहित शिक्षण और अनुसंधान कार्य का सुद्ढीकरण और विकास**	शिक्षण और अनुसंधान कार्य का सुद्ढीकरण और विकास			कई शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिए आंकडा संग्रह हेतु क्षेत्रीय कार्य आवश्यक है। शैक्षिक भ्रमण क्षेत्रीय सर्वेक्षण आदि विषय की बेहतर समझ के लिए आवश्यक है।				
ङ	**मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता**	19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, सांस्कृति, राजनैतिक और आर्थिक आंदोलन के अध्ययन सहित मौलाना अबुल कलाम आजाद के	**1.20**	**6.00**			**0.84**	**4.88**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		जीवन और कार्यों का अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करना।							प्रयोग होता है।
(i)	**पूर्वोत्तर सहित अनुसंधान परियोजना, अध्येतावृत्ति और अन्य संवर्धनात्मक कार्यकलाप**	अनुसंधान कार्यकलाप तथा राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का भारत तथा एशियाई देशों में प्रसार करना।			यह संस्थान पूर्वोत्तर सहित विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में 25–30 पूर्णकालिक आवासीय अध्येतावृत्तियों की व्यवस्था करेगा और सेमिनार दौरों के आधार पर अनुसंधान परियोजनाओं के लिये 30 परियोजना अध्येतावृति पर कार्य करेगा तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने के लिये अन्य निकायों की सहायता करेगा। एमएकेएआई लगभग 10 पुस्तकों और एक पत्रिका का प्रकाशन करेगा। यह मौलाना आजाद व्याख्यान का भी आयोजन करेगा। विरासत भवन से एक प्रलेखन केन्द्र का प्रचालन किया जाएगा। अनुसंधान के लिए पूर्वोत्तर केन्द्र का संस्थानिककरण विचाराधीन है।	(1) मौलाना अब्दुल कलाम आजाद संस्थान लगभग 10 पुस्तकों और एक जर्नल का प्रकाशन करेगा। (2) योजना के अनुसार, संस्थान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार और एक मौलाना आजाद व्याख्यान तथा एक स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित करने के लिए संस्थान ने दूसरे संस्थानों से भागीदारी भी की। संस्थान ने, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को वित्तीय सहायता दी है ताकि सेमिनारों का आयोजन किया जा सके। (3) एक साप्ताहिक*			अनुसंधान वेत्ताओं द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट और पाण्डुलिपि में विलंब* *सेमिनार कार्यक्रम वर्षभर चला (संग्रहालय का नियमित आगंतुक और सेमिनार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा)

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**प्रकाशन/पुस्तकों की प्राप्ति**	विभिन्न विषय क्षेत्रों में अध्येताओं के शोध कार्य को प्रकाशित करना			10 पुस्तकें तथा एक जर्नल का प्रकाशन किया जाएगा। मोनोग्राफ, रिपोर्ट आदि के रूप में वेब आलेख प्रकाशन के माध्यम से अनुसंधान कार्य का प्रसार	8 पुस्तकों और 1 जर्नल का प्रकाशन।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	**मौलाना आजाद संग्रहालय**	संग्रहालय ने कोलकाता के लोगों पर अपना प्रभाव छोड़ा है। मौलाना आजाद के भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन में सहयोग के साथ–साथ स्मारिकाओं के संग्रह को दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया है।			संग्रहालय का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। संग्रहालय निम्नलिखित का रख–रखाव करता है। (1) मौलाना आजाद के स्मरणीय तथ्य (2) मौलाना आजाद पर एलसीडी, टीवी और (3) दृश्य सामग्री तथा (4) मौलाना आजाद के जीवन और कार्य पर अभिलेखीय सामग्री। संस्थान ने मौलाना आजाद के जीवन और समय से संबंधित दुर्लभ पुस्तकों की व्यवस्था की। (5) संग्रहालय का एक स्वतंत्र सेमिनार कार्यक्रम होगा।	संग्रहालय का रखरखाव किया जा रहा है और आंगुंतकों के लिए नियमित दौरे के साथ–साथ फिल्म और वृत्तचित्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है। दुर्लभ पुस्ताकों की उपलब्धता बनाई जा रही है। अनुसंधान कर्ता द्वारा अभिलेखीय सामग्री का परामर्श करने के लिए दौरे जारी रहे।			निधि की उपलब्धता और कलावस्तुओं का आसानों से प्राप्त होना।
(iv)	**नया परिसर और छात्रावास का रखरखाव तथा उन्नयन (साल्ट कॉम्पलेक्स के रखरखाव सहित)**	कार्यालय के कर्मचारियों को समायोजित करना, अध्येताओं के लिए कार्य स्टेशन, सेमिनार हॉल, अतिथि शिक्षक वृंद के लिए व्यवस्था।			सीपीडब्ल्यूडी और अन्य निकायों द्वारा किये गये कार्य में तेजी लाने के लिए नियमित सूचना।	संस्थान के अनुसंधानकर्ताओं के साथ–साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्यवानों के लिए साल्टलेक में सुविधाओं में सुधार।			सीपीडब्ल्यूडी को दिये गये कार्य को पूरा करने में काफी समय लगता है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
च.	**कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई**	यह भारतीय कलाओं विशेष रूप से नृत्य और संगीत के क्षेत्रों में पारंपरिक मूल्यों के परिरक्षण के लिए सांस्कृतिक अकादमी के रूप में कार्यरत है। इस संस्थान का सुदृढ उद्देश्य सभी कलारूपों और इसके क्षेत्रीय प्रकारों का एकीकरण करना तथा इसके पश्चात सच्ची कला के मानकों को स्थापित करना है।	4.90	2.50		विकासशील प्रतिभाओं का पोषण करना।	3.58	1.87	सामान्यतः गैर योजना अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है।
	(i) रंगमंच स्तरोन्नयन – कुतमबलम	राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्तरोन्नत श्रव्य तथा प्रकाश व्यवस्था उपस्कर प्रदान करना।			ध्वनि और स्टेज प्रबंधन में अत्याधुनि प्रौद्योगिकी स्थापित करने के लिए कूथाबंलम का नवीकरण।	कार्य प्रगति पर हैं।			कूतमबलम के जीर्णोद्धार का कार्य प्रशासनिक कारणों से रोक दिया गया है।
	(ii) थियेटर उन्नयन–रुकमी णि आरगंम	परिसर में महत्वपूर्ण मंच स्थानों में से एक पर सुविधाएं उन्नत करना।			प्रेक्षागृह में छत सुविधा, प्रकाश सुविधा, ध्वनि प्रणाली, ग्रीन रूम, बिजली की लाइनें और बैठने की सुविधा को उन्नत करना।	स्थान पर प्रयोगता अनुभ्व बढ़ाने के लिए माइक्रोफोन और संचार उपस्करों की खरीद की गयी।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(iii) संग्रहालय परियोजना	कलाक्षेत्र की संस्थापक श्रीमती रूकमीणि देवी के जीवन और समय को प्रकाश में लाते हुए फोटोग्राफों, कला वस्तुओं और स्मरणीय तथ्यों का विश्व स्तरीय प्रदर्शन करना।			दक्षिण भारतीय कलारूपों और संबंधित कला वस्तुओं का प्रदर्शन करने के साथ–साथ श्रीमती रूकमीणि देवी के निजि समान और दुर्लभ संग्रहों का रखरखाव करना।	सूची पत्र तैयार करने की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में श्रीमती रूकमीणि देवी के संदर्भ में विशेष मदों के लिए विस्तृत अभिलेखों का सजृन।			विशिष्ट और अनूठे तरीके से श्रीमती रूकमीणि देवी के युग के पूर्व और उत्तर समय में कलाक्षेत्र के कार्यकलाप को उजागर करने के लिए इस परियोजना को प्रारंभ किये जाने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(iv) निर्माण परियोजनाएं– परिसर की दीवार, स्वागत केन्द्र और छात्रावास भवन	विधार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं और दर्शकों को अनुकूल वातावरण प्रदान करना।			सभी परिसरों के लिए कंपाउंड की दीवार को बढ़ाना और सुदृढ़ करना तथा द्वारों, स्वागत केन्द्रों और होटल भवनों का जीर्णोद्धार	कार्य चल रहा है।			
	(v) अनुसंधान और प्रलेखन	पारंपरिक कला रूप में कार्यकलाप को आगे बढ़ाना तथा युवा पीढ़ी का प्रशिक्षित करना ताकि इस क्षेत्र में विकास से परिचित रहा जा सके।			विभिन्न माध्यमों से फिलहाल संग्रहित मूल्यवान पाण्डुलिपियों पाठ अभिलेखों और श्रव्य अभिलेखागारों को अंकीकृत करना और उन्हें उपलब्ध करना।	नियमित कर्मचारी प्रशिक्षण सत्रों और क्षेत्रीय भ्रमण के अतिरिक्त प्रमुख विद्वानों द्वारा एक कार्यशाला और चार व्याख्यानः श्रव्य अभिलेखीय सामग्री के 100 घंटों का अंकीकरण; तथा 100 घंटों का श्रव्य अभिलेखन और 1,500 फोटोग्राफ			
	(vi) उत्सव और कार्य निष्पादन	संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उत्सवों का आयोजन करना तथा कार्य निष्पादन करना।			आम जनता के समक्ष विभिन्न कला रूपों का प्रदर्शन करने के लिए उत्सवों, प्रदर्शनों और समारोहों का आयोजन किया गया।	दो उत्सवों का आयोजन किया गया।			वर्षभर लगातार कार्यकलाप किये गये।
(छ)	**नामग्याल तिब्बती विद्या–शास्त्र अनुसंधान संस्थान, सिक्किम**	छोस (बुद्ध के धर्म सिद्धांत) के ज्ञान का प्रसार करना।	**0.70**	**0.11**	संस्थान के अभिलेखागारों में परिरक्षित सेमिनल पाठों का अनुवाद तथा प्रकाशन।	सेमिनार और व्याख्यान आयोजित किए गए। 3 पुस्तकें प्रकाशित की गयी। बौद्ध देवगण की तीन थंकाओं का अधिप्रापण किया गया। फोटो प्रदार्शनी आयोजित की गयी। भूमचू और ओंगडाला फिल्म पूरी हो गयी। लचन मठ पर रीतिरिवाजों को फिल्माया गया।	**0.47**	**0.46**	वित्तीय मांगें पूर्वोत्तर आवंटन/टीएसपी से पूरी की जाती हैं।
(ज)	**क) मंच,**	इस स्कीम के तहत संगीत,			200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ	200 कनिष्ठ और 200 वरिष्ठ			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	साहित्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को अध्येतावृति	नृत्य, रंगमंच, दृश्य कला, साहित्य तथा लोक एवं देशी कला के पारम्परिक रूपों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है।	2.50	7.90	अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जानी है।	अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की गई हैं।	0.26	8.15	

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ख) युवा कलाकारों को छात्रवृत्तियाँ *	इस स्कीम के तहत भारत में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण हेतु उत्कृष्ट प्रतिभा के युवा कलाकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है।			400 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जानी हैं।	चयन चल रहा है।			
(झ)	(i) **विशिष्ट कला व्यक्तियों को वित्तीय सहायता**	उन कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना। जिनका योगदान कला के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण रहा है और जिन्होंने 58 वर्ष तथा उससे अधिक की आयु प्राप्त कर ली है और दीनहीन परिस्थितियों में है। बीमार कलाकारों को चिकित्सा सहायता।	**2.35**	**7.50**	इस स्कीम के अंर्तगत 3378 कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जानी है।	1720 कलाकारों को पेंशन स्कीम के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है।	**1.59**	**6.01**	
	(ii) **राष्ट्रीय कलाकार कल्याण निधि की स्थापना**		**0.00**	**1.00**	विख्यात कलाकारों को उनकी चिकित्सा एवं अन्य उद्देश्यों के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह स्कीम इस वर्ष से कार्यान्वित की जाएगी।	इस स्कीम का कार्यावयन वर्ष 2013–14 से प्रांरभ किया जाएगा।	**0.00**	**0.00**	
(ञ)	**सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल**	विश्व के अन्य देशों के साथ पारस्परिक आधार पर सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन	**0.95**	**0.00**	इस निधि का मुख्य उद्देश्य सांस्कृति करारों के अंतर्गत विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के सांस्कृतिक दौरों की मेजवानी करना है। वर्ष 2012–13 के दौरान विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक करारों के तहत नये सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों पर हस्ताक्षर/कार्यान्वित किया जाएगा तथा सांस्कृतिक करार के अंतर्गत बैठक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।	सीईपी के रूप में विशिष्ट क्षेत्रीय हस्तक्षेपों द्वारा नीतिगत दृष्टिकोणों को तैयार किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान 4 सीईपी और 2 सीए पर हस्ताक्षर किए गए।	**0.11**	**––**	
(ट)	**जनजातीय/**	जनजातीय कला और	**0.00**	**0.00**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे	इस स्कीम को समीक्षा समिति	**––**	**0.01**	2008.09 से

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लोक कला के लिए वित्तीय सहायता	संस्कृति का संवर्धन और प्रसार करना।			हुए संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	की सिफारियों के आधार पर बन्द कर दिया गया है। हालांकि, वर्तमान मामलों में 3 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता प्रदान की गई है।			स्कीम को बन्द कर दिया गया है। तथापि, अनुदान प्राप्त कत्ताओं के आवेदन प्राप्त होने पर वर्तमान मामलों को निपटाया जाएगा।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(थ)	**हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता**	हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, प्रसार और परिरक्षण करना।	0.00	1.00	पात्र आवेदनों के प्राप्त होने तथा विशेषज्ञ सलाहकार समिति की सिफारिशों के अध्यधीन।	गौर सरकारी संगठनों के 29 संगठनों को सहायता अनुदान जारी किया गया है। संशोधित स्कीम को विज्ञापित कर दिया गया है और इसके संदर्भ में आवेदन प्राप्त हुए हैं। सहायता अनुदान प्रदान करने के संबंध में विचार करने के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समिति की बैठक संयोजित की जाएगी।	––	0.48	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित किये जाने वाले प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता तथा संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।
(द)	**बौद्ध/तिब्बती संगठनों के विकास एवं परिरक्षण हेतु वित्तीय सहायता**	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति व कला के वैज्ञानिक विकास का संवर्धन एवं प्रचार करना।	0.00	1.50	पात्र आवेदकों की आवेदन प्राप्ति और विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संस्तुति के आधार पर दी जानी है।	पूर्व वर्ष से संबंधित 60 गैर सरकारी संगठनों को अनुदान जारी किया गया है। संशोधित स्कीम का विज्ञापन दिया गया है और प्राप्त उत्तर/आवेदनों के अनुसार सहायता अनुदान पर विचार करने के लिए ईएसी बैठक आयोजित की जाएगी।	––	0.87	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित किये जाने वाले प्रस्तावों की संख्या परियोजना की गुणवत्ता तथा संगठन की क्षमता पर निर्भर करेगी।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ध)	**शताब्दी/वर्षगाँठ समारोह स्कीम**	महत्वपूर्ण हस्तियों और घटनाओं की शताब्दी/वर्ष गांठ मनाने के लिए स्वयंसेवी संगठनों की वित्तीय सहायता प्रदान करना।	2.00	0.00	महत्वपूर्ण हस्तियों और घटनाओं की शताब्दी/वर्ष गांठ मनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बहुत से स्वयं सेवी संगठनों को पहचान कर ली गई है।	महामना मदन मोहन मालवीय की 150 वीं जयंती और श्री मोतीलाल नेहरू की क150 वीं जयंती मनाने के संबंध में अनेक कार्यक्रमों और समारोहों में वित्त प्रदान किया गया है।	0.92	––	
(ड.)	**स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयंती**	स्मारक कार्यक्रमों के उद्देश्यों के लिए	0.00	20.00	काफी परियोजनाओं के परिणाम अर्मुत होंगे जिन्हें मूर्त रूप में मापा नहीं जा सकता। युवाओं के चरित्र निर्माण तथा उन्हें जागरूक करने के लिए इन कार्यक्रमों का प्रभाव को दीर्घकालीन समय में केवल अनुभव किया जा सकता है। केवल वे परियोजनाएं जिन्हें स्वामी विवेकानन्द की शिक्षा और संदेश का प्रसार करने के लिए प्रारंभ किया गया है जैसे फिल्म निर्माण, प्रदर्शनी हॉल का निर्माण स्कूल भवन का निर्माण, अस्पतालों में ढांचागत सुविधाओं का निर्माण, मूर्त प्रकृति की होंगी जिन्हें वास्तविक दृष्टि से मापा जा सकता है। किंतु ये सहायक उपलब्धियां होगी जिन्हें प्रारंभ	कार्यान्वित किये जाने से पहले सभी प्रस्तावों को राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति (एनर्आसी) द्वारा अनुमोदन किया जाना है। एनआईसी ने 3 सितंबर 2010, 26 मई 2011 और 24 मार्च 2012 को आयोजित अपनी तीन बैठकों में 19 प्रस्ताव अनुमोदित किए हैं। पीएसबीटी द्वारा स्वामी विवेकानंद पर एक फिल्म निर्माण में वास्तविक उपलब्धि की रिपोर्ट की जा सकती है– वर्ष 2013 में मार्च के अंत तक इस परियोजना के पूरा होने	––	23.56	परियोजनाओं का पूरा होना निधियों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(च)	**गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती**	गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती उचित रूप में मनाना और लोगों तक उनके कार्यों को पहुंचाना।	0.00	30.00	किया जाना है और ये मुख्य उद्देश्य की इस रूप में सहयोगी होगीं की देश के युवाओं का चरित्र निर्माण होगा। टैगोर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना के लिए एनआईसी द्वारा अनुमोदित कार्यक्रम, ढाका और नई दिल्ली में समापन समारोह, टैगोर संबंधी कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए आइसीआर को भुगतान, विदेश में टैगोर के प्रकाशन और उनके पुनर्मुद्रण, विदेश में टैगोर चित्रकला की प्रदर्शनी, टैगोर सांस्कृतिक अनुदान स्कीम, टैगोर शिक्षण केन्द्र, एएसआई द्वारा जोरासांको ठाकुर बाड़ी का जीर्णोद्धार और संरक्षण, जामिया मिलिया इस्लामिया की अनुसंधान और अनुवाद स्कीम, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा सेमिनार, विदेश में स्मारक समारोहों का आयोजन आदि।	की संभावना है। कालनुक्रमिक रविन्द्र रचनावली समापन समारोह, संयुक्त भारत–बांग्ला कार्यक्रमों के लिए विभिन्न कलाकारों और एचसीआई ढाका, प्रदर्शनियों के लिए एनजीएमए, टैगोर कृतियों के प्रकाशन के लिए मिलान (इटली), तुर्की भाषा में गीताजंली के प्रकाशन के लिए भारत दूतावास अंकारा, टैगोर संबंधी कार्यकलाप करने के लिए विदेशी मंत्रालय के पीडी प्रभाग और आईसीसीआर, अनुमोदित संयुक्त भारत–बांग्ला स्मारक कार्यक्रमों के लिए एनएफडीसी, विभिन्न		8.44	दिनांक 28.12.2012 के आदेश संख्या 14 के तहत 9.80 करोड रुपये को दूसरी स्कीम यानि स्वामी विवेकानंद और शताब्दी तथा वार्षिक समारोहों में पुनर्विनियोजित कर दिया गया है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						सांस्कृतिक संगठनों आदि को निधियां जारी की गयीं।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(न)	**राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए स्वयं सेवा संगठनों की वित्तीय सहायता की स्कीम**	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।	0.50	0.00	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए बहुत से स्वयंसेवी संगठनों की पहचान कर ली गई है।	शाहीबाग, अहमदाबाद और करमशाद में सरदार पटेल स्मारक के लिए अनुरक्षण अनुदान जारी करने हेतु प्रावधान है।	0.00	––	
(प)	**सांस्कृतिक संगठनों को स्टूडियों/थियेटर सहित भवन अनुदान**	स्टूडियों थियेटर सहित सांस्कृतिक स्थानों के सजृन के लिए स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों और सरकारी सहायता प्राप्त सांस्कृतिक संगठनों को अनुदान प्रदान करना।	0.00	4.00	सांस्कृतिक गतिविधियों में लगे हुए संगठनों को विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों और प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	11 संगठनों को सहायता प्रदान की गई है।	––	0.58	आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं और सुपात्र मामलों में निधि जारी करने के लिए विशेषज्ञ समितियाँ आयोजित की जाती हैं।
(फ)	**राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता**	राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थाओं/संगठनों को वित्तीय सहायता देना।	2.75	4.00	यह अनुदान राष्ट्रीय स्तर के आर के मिशन, इन्टेक एवं स्पिक मैके और जैसी अग्रणी संस्थाओं को दिया जाएगा।	आर के मिशन को योजनागत और योजनेत्तर गतिविधियों के लिए अनुदान दिया गया था।	2.11	2.93	
(ब)	**सांस्कृतिक संगठनों का विकास (सांस्कृतिक समारोह अनुदान स्कीम)**	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार एवं परिसंवाद आयोजित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए राष्ट्रीय ख्याति के	0.00	8.80	विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के अनुसार संगठनों को अनुदान दिया जाना है।	426 संगठनो को अनुमोदन प्रदान किया गया है।	––	6.75	

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान प्रदान करना।							

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(झ)	**बौद्ध और सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, त्वांग मठ**	मठीय शिक्षा प्रदान करना	0.00	0.01	बौद्ध शिक्षा और दर्शन प्रदान करना	मठीय विद्यार्थियों ने अपनी अर्धवार्षिक परिक्षाएं सफलता पूर्वक पूरी कर ली हैं और सभी प्रशिक्षुओं ने सैंड मंडला तथा बटर स्कल्पचर की मृत प्रायः कलाओं में अपने प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।	––	0.90	इस मठ की गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, पूर्वोत्तर क्षेत्रको आबंटित निधि से की जाती हैं।
(ञ)	**तिब्बत हाउस, नई दिल्ली**	तिब्बती संस्कृति का संवर्धन, परिरक्षण और संरक्षण करना, तिब्बत और गैर–तिब्बती कलाकारों व शिल्पकारों के बीच विचारों और तकनीक के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना	0.00	0.50	तिब्बत हाउस संग्रहालय के अनुरक्षण सहित अपने वर्तमान में जारी कार्यक्रमों को कार्यान्वित करना जारी रखेगा।	तिब्बत हाउस ने तिब्बती बौद्ध अध्ययन और संस्कृति की जागरूकता के लिए अपने कार्यक्रम–समन्वय से संबंधित गतिविधियों को लागू किया है और अपने संग्रहालय का भी अनुरक्षण किया है।	––	0.38	सतत प्रकिया
(ट)	**केन्द्रीय हिमालयी संस्कृति अध्ययन संस्थान, दाहुंग, अरूणाचल प्रदेश**	भारत की बौद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रोत्साहन एवं परिरक्षण करना।	1.00	1.51	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति से संबंधित पूर्व–स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अवसंरचनात्मक एवं भवन संबंधी सुविधाओं का कार्य शुरू किया जाएगा।	शैक्षिक और अनुसंधान कार्य के अतिरिक्त प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण कार्य, मुख्य परिसर आदि का स्थान विकास चल रहा है। त्वंग में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का व्यय इसी शीर्ष से पूरा किया जाना है।	0.63	5.56	सामान्यतः गैर योजना अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है। व्यावसायिक/कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र के लिए

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									भवन के निर्माण हेतु टीएसपी के अंतर्गत कार्यकलाप

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(र)	**जीआरएल मठीय स्कूल बोमडिला**	मठीय विद्यार्थियों को शैक्षिक शिक्षा प्रदान करना।	**0.80**	**0.00**	बौद्ध शिक्षा और दर्शन को बढ़ावा देना	79.64 लाख रुपये के मंजूर किए गए व्यय में से वेतन, टेलीफोन, बिजली बिल और अन्य आकस्मिक व्ययों का भुगतान किया गया है।	**0.54**	––	
(ल)	**जलियांवाला बाग स्मारक का विकास**	इस स्मारक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इसके स्तर और महत्त्व के अनुरूप इसके वृहत विकास का कार्य शुरू करना।	**0.01**	**0.40**	स्मारक के उन्नयन हेतु विकास कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।	एमओसी निधियों से अब तक कोई विकास कार्य नहीं किया गया है।	**0.00**	**0.00**	योजना के अंतर्गत 40.00 लाख रुपये की राशि अभ्यर्पित कर दी गयी है।
(व)	**मानवता की अमूर्त विरासत एवं सांस्कृतिक विविधता के परिरक्षण और संवर्धन की स्कीम (यूनेस्को अधिवेशन में उठाई गई बात)**	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण पर यूनेस्को अधिवेशन में उठाई गई बात की बाध्यता को पूरा करने के लिये।	**0.00**	**0.50**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में लगे हुए व्यक्तियों/संगठनों के लिये कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं है एवं इन्हें प्रस्तावों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	आईसीएच और सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण करना	––	**0.50**	
(कक)	**सांस्कृतिक विरासत स्वयंसेवी (सीएचवी) स्कीम/सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व काय्रक्रम**	युवा लोगों की सामाजिक भागीदारी तथा नागरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी को सुनिश्चित करके उन्हें सीमान्तीकरण तथा उपेक्षा से बचाना।	**0.00**	**1.00**	सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व कार्यक्रम के लिए इस स्कीम को फिर से तैयार किया गया है और इसे 12 वीं योजना के पहले वर्ष में कार्यान्वित किया जाएगा।	भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में युवाओं के बीच जागरूकता पैदा करना	––	**0.00**	
(कख)	**सांस्कृतिक**	सृजनात्मक अभिव्यक्ति,	**0.00**	**0.01**	अपने क्षेत्रों में स्थित सांस्कृतिक	औद्योगिक कला और शिल्प	––	**0.00**	

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उद्योगों के लिए अग्रगामी स्कीम	पारंपरिक डिजाइनों की व्यापक विविधता तथा शिल्पों की अनंत विविधता को सांस्कृतिक उद्योग उत्पादों में बदलना।			उद्योगों के लिए पायलेट सर्वेक्षण पूरा करने के लिए तथा कारीगरों का डाटाबेस तैयार करने के लिए जेड सी सी को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस स्कीम को क्रियान्वित करने के लिए अन्य सुविधाऐं भी प्रदान की जाएंगी।	उत्पादों को बढ़ावा देना			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कग)	**बहुउद्देशीय सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता। इसमें बच्चों के लिए परिसर शामिल हैं। (दिनांक 07.05.2011 को सांस्कृतिक परिसर स्कीम प्रारंभ**	मौजूदा सांस्कृतिक परिसरों और चालू एमपीसीसी के कार्य को उन्नत बनाना	0.00	1.00	सांस्कृतिक कार्यकलाप में शामिल संगठनों को प्रस्तावों की प्राप्ति तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायत प्रदान की जाती है।	यह स्कीम 01.04.2007 से बंद कर दी गयी थी। तथापि चालू मामलों में एक संगठन को सहायता प्रदान की गयी। 816 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता प्रदान की गयी है।	––	0.00	आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं और पात्र मामलों में निधियां जारी करने के लिए समीक्षा समिति की बैठकें आयोजित की जाती हैं।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कघ)	**ज्ञान संस्थाओं में नम्य नियोजन (सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति के लिए स्कीम)।**	इसमें अध्येताओं/शिक्षाविदों के संस्थाओं में परियोजनाओं तथा संस्थाओं के मुख्य उद्देश्य से सम्बंधित अनुसंधान कार्य को शुरू करने के पार्श्विक संचलन तथा उन्हें नई सृजनात्मकता से समृद्ध करने की परिकल्पना की गई है।	**0.00**	**1.00**	15 अध्येताओं को टैगोर अध्येतावृति प्रदान की जानी है तथा 25 व्यक्तियों को टैगोर राष्ट्रीय अनुसंधान छात्रवृत्तियां अवार्ड की जानी हैं।	15 टैगोर राष्ट्रीय अध्येता वृत्तियों और 25 टैगोर राष्ट्रीय अनुसंधान छात्रवृत्तियों के चयन की प्रकिया चल रही है।	---	**0.41**	
(कड.)	**साहित्यिक कार्यकलापों में लगी हुई संस्थाएं/व्यक्ति**	(i) ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता (ii) भारतीय मुद्रा शास्त्रीय सोसायटी, वाराणसी, उत्तर प्रदेश	**0.15**	**0.00**	9 लाख रुपये जारी किए गए हैं। उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है। चालू वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान 3.50 लाख रुपये की राशि जारी की जाएगी।	9 लाख रुपये जारी किए गए हैं। उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है। चालू वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान 3.50 लाख रुपये की राशि जारी की जाएगी।	**0.09**	--	तीसरी किश्त अर्थात 3.50 लाख रुपये शीघ्र जारी की जाएगी।
(कच)	**अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक**	फ्रैंडशिप सोसायटी के द्वारा भारतीय संस्कृति के	**0.01**	**5.00**	भारतीय मिशन, इंडाफारेन फ्रेंडशिप सोसाइटी की भारतीय	विदेशों में भारतीय संस्कृति का संवर्धन करने के लिए	**0.03**	**0.47**	

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यकलाप और इन्डो–फॉरेन फ्रेंडशिप सोसायटी को अनुदान	सदभाव को मजबूत करने और भारत और विदेशी संबंधित देशों के मध्य सम्बंधों को मजबूत करने के लिए नजदीकी दोस्ती और सांस्कृतिक सम्पर्क स्थापित करना।			संस्कृति के प्रसार के लिए अनुदान देने के लिए प्रधिकृत हैं।	विदेश स्थित फ्रेंडशिप सोसायटियों को अनुदान जारी करने के लिए निधि का उपयोग करने हेतु 45 मिशनों का प्राधिकृत किया गया था।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कछ)	**विदेशों में भारतीय साहित्य**	विश्वभर में प्रकाशन उद्योग और विश्व विद्यालयों तथा शिक्षण संस्थानों में उपयुक्त भागीदारों की सहायता से पुस्तक मेलों और उत्सवों सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से अनुवाद का संवर्धन करना और प्रसार करना। आईएलए का उद्देश्य बहु भारतीय साहित्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उजागर कर असंतुलन को दुरूस्त करना है।	0.00	1.00	6 यूएनओ भाषाओं में भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना।	6 प्रमुख विदेशी भाषाओं (विशेष रूप से वे जो यूनस्को द्वारा मान्यता प्राप्त हैं अर्थात अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी, चीनी, अरबी और स्पेनिश) में भारतीय भाषाओं से साहित्य विरासत और समकालीन साहित्य के अनुवाद और संवर्धन में सहायता और सुविधा प्रदान करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईएलए परियोजना प्रारंभ की गयी है।	0.00	0.09	
(कज)	**मंच कलाओं हेतु राष्ट्रीय केन्द्रों की स्थापना करना**	मंच कला हेतु सांस्कृतिक शो की मेजबानी करना।	0.00	1.00	यह स्कीम 11वी योजना में कार्यान्वित नहीं की जा सकी और हमने इसे अब 12 वी योजना में कार्यान्वित किया। पद्धति* पर एनसीपीए, नई दिल्ली की स्थापना करने का विविरण।	मंचकला का संवर्धन और प्रसार करने हेतु	0.00	0.00	*इस स्कीम के कार्यान्वयन के लिए एनसीपीए, मुंबई को तैयार किया गया है।
(कझ)	**राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन दांडी से**	पुनरूद्धार, अनुरक्षण, संरक्षण एवं विकास के लिये साबरमती आश्रम,	0.00	2.00	एसएपीएमटी द्वारा साबरमती आश्रम अहमदाबाद में गांधी विरासत स्थल पोर्टल की	कार्यकारी एजेंसियों द्वारा परियोजनाएं चलायी जानी हैं।	––	1.50	

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संबंधित परियोजनाएं	अहमदाबाद में गांधी विरासत स्थल पोर्टल की स्थापना तथा गांधी विरासत स्थलों का विकास एवं गांधी जी के लेखनों/प्रकाशनों आदि का परिरक्षण भी करना। डांडी यात्रा की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गयी घोषणाओं के कार्यान्व्यन के लिए गांधी स्मारक का निर्माण			स्थापना की जानी है।				

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कट)	**अंतर्राष्ट्रीय कला परिषदों एवं सांस्कृतिक एजेंसियों का संघ (आईएफएसीसीए)**	60 देशों के संस्कृति मंत्रालय और कला परिषदें आईएफएसीसीए की सदस्य हैं।	**0.05**	**0.00**	आईएफएसीसीसए में शामिल होने के लिये वार्षिक तौर पर अंशदान किया जाता है।	यह भारत के लिए अत्यंत लाभकारी होगा क्योंकि आईएफएसीसीए के पास संस्कृति मंत्रालय का सक्रिय नेटवर्क है।	**0.05**	––	*सरकार और गैर सरकारी संगठन सहित संग्रहालय तथा कला परिषद
(कठ)	**राष्ट्रीय संस्कृति और विरासत प्रबंधन संस्थान (सांस्कृतिक संसाधन प्रबंधन केन्द्र)**	संस्कृति और इसके प्रबंधन पर विशिष्ट पाठ्यक्रम प्रदान करना इसका उद्देश्य है।	**0.00**	**0.01**	11 वीं योजना में यह स्कीम कार्यान्वित नहीं की जा सकी और इसे अब वर्ष 2012–13 में कार्यान्वित किया जाएगा। विशिष्ट पाठ्यक्रमों को समायोजित करने के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान का विस्तार किया जा सका।	सांस्कृतिक स्थानों और परिसंपत्तियों का प्रबंधन करने की बढ़ती मांग के साथ, सांस्कृतिक प्रबंधन में पद बढ़ रहे हैं क्योंकि प्रशिक्षित व्यावसायिकों की बहुत मांग है।	––	**0.00**	
(कड)	**नई स्कीमें भारत संस्कृतिक और विरासत को समर्पित पत्रिकाओं और जर्नलों के प्रकाशन के**	भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना	**0.00**	**0.50**	सांस्कृतिक कार्याकलाप में शामिल संगठनों को प्रस्ताव प्राप्त होने तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता प्रदान की जाती है।	भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता बढाना	––	**0.00**	पात्र मामलों में निधियां जारी करने के लिए आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं और विशेषज्ञ मूल्यांकन

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लिए वित्तीय सहायता की स्कीम (भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता के संवर्धन और प्रसार की स्कीम के हिस्से के रूप में 19.11.2011 से प्रारंभ)								समूहों की बैठकें आयोजित की जाती हैं।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कढ)	**कला और संस्कृति पर टीवी कार्यक्रमां की स्कीम**	इस स्कीम में कला और संस्कृति पर उच्च गुणवत्ता के कार्यक्रमों के माध्यम से युवा मस्तिष्क में कालपनिक सांस्कृतिक विचारों को ग्रहण करने पर विचार किया गया है।	0.00	0.50	यह प्रस्ताव है कि इस स्कीम के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय में एक टीवी निर्माण यूनिट की स्थापना की जाए। यह व्यावसायिक रूप से प्रबंधित विशेष परियोजन वाहन (एसपीवी) होगा। जो इस क्षेत्र में विभिन्न स्थानों के संसाधानों और श्रेष्ठ प्रतिभा को सामाने लाएगा।	साहित्यक और दृश्य संचार माध्यमों द्वारा दर्शाये जा रही पश्चिमी संस्कृति के स्थान पर युवा मस्तिष्कों में हमारी पारंपरिक संस्कृति को स्थान देना।	––	0.00	नई स्कीमों को 12 वीं योजना में कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।
(कञ)	**उत्कृष्ट केन्द्रों के स्थापना की स्कीम**	गैर सरकारी सांस्कृतिक संगठनों को सहायता प्रदान करना, सुदृढ़ करना तथा उनका उन्नयन करना।	0.00	0.50	इस स्कीम के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय चुनिंदा गैर सरकार संगठनों के साथ परस्पर सहमत कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए समझौता ज्ञापन करेगा ताकि विशिष्ट क्षेत्रों में उत्कृष्टता केन्द्रों का निर्माण किया जा सके।	सुव्यवस्थित थियेटर समूहों को उत्कृष्टता के उच्च मानक वाली पेशेवर रंग मंडलों में तथा सांस्कृतिक अनुसंधान केन्द्रों को किसी विशेष विषय पर अभिलेखागारों के भंडार के रूप में विकसित करना।	––	0.00	12 वीं योजना में नई स्कीमों को कार्यन्वित करने का प्रस्ताव है।
(कत)	**कोलकाता और चेन्नई में अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना**	जनसमूह के बीच सांस्कृतिक जागरूकता के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के एकीकृत वृहत सांस्कृतिक परिसर का निर्माण करना	0.00	0.50	कोलकाता और चेन्नई के लिए वृहत सांस्कृतिक परिसर का निर्माण कार्य केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में प्रारंभ किया जाएगा।	विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकारों और दर्शकों को सहायता और लाभ पहुंचाना।	––	0.00	12 वी योजना में नई स्कीमें कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।
(कथ)	**भारत की जीवंत और विविध**	भारत की जीवंत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं के समृद्ध रूप	0.00	0.50	विभिन्न माध्यमों से प्रलेखन के विशिष्ट कार्य के साथ अर्मुत सांस्कृतिक विरासत अर्थात	भारत की जीवंत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं पर अनुसंधान वेत्ताओं को	––	0.00	12 योजना में नयी स्कीमें कार्यान्वित

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सांस्कृतिक परंपराओं को बचाये रखने की स्कीम	को बचाये रखना और उनका प्रदर्शन करना।			भारत की जीवंत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं पर एक समन्वय तंत्र की स्थापना किये जाने का प्रस्ताव है।	अप्रत्यक्ष रूप से सहायता कर रहा है।			करने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कद)	**एमआईएस और सहायता अनुदान के स्वचलन की स्कीमें**	मौजूद प्रणाली का अध्ययन करने के लिए और उसके बाद ऑनलाईन अनुप्रयोग का विकास करने के लिए प्रमुख व्यावसायिक एजेंसियों को नियुक्त करना।	0.00	0.50	चालू कार्यक्रमों के क्रम में यह मंत्रालय मामलों को अन्य स्तर पर ले जाएगा ताकि संस्कृति मंत्रालय में अनुदान जारी करने के लिए पूर्ण ऑनलाइन प्रणाली का उपयोग करते हुए पूर्ण पारदर्शिता लाई जा सके।	उचित प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन करने के लिए सभी स्कीमों का मूल्याकंन करना ताकि 12वीं योजना के दौरान स्कीमों को आवश्यकता के अनुसार समीक्षित और संशोधित किया जा सके।	––	0.00	12 वीं योजना में नयी स्कीमों को कार्यान्वित करने का प्रस्ताव है।
(कध)	**राष्ट्रीय/क्षेत्रीय नाट्यविद्यालय स्थापित करना**	इन क्षेत्रों के विभिन क्षेत्रीय/स्थानीय थियेटर समूहों को अत्य आवश्यक महत्व प्रदान करने के लिए इन केद्रों की स्थापना किये जाने का प्रस्ताव है ताकि इन समूहों के कार्यकलाप का उन्नयन किया जा सके।	0.00	0.50	12 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वतंत्र, स्वायत्त राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रूप में इन स्कूलों की स्थापना की जाएगी जिसमें रंगमंडल होंगे।	इन समूहों के कार्यकलाप का उन्नयन करने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय/स्थानीय थियेटर समूहों को अति आवश्यक महत्व प्रदान करना।	––	0.00	12 वीं योजना में नयी स्कीमों को कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।
(कन)	**राज्य अकादमियों को सहायता करने की स्कीम**	मंच, दृश्य और साहित्यक कलाओं के क्षेत्र में कार्य प्रचालन में सुधार करने हेतु राज्य अकादमियों को सहायता।	0.00	0.50	मंच, दृश्य और साहित्यक कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत राज्य अकादमियों को पुनरुज्जीवित करने की केन्द्र प्रायोजित स्कीम प्रारंभ की जा रही है ताकि राज्य अकादमियों द्वारा तैयार की जा रही वार्षिक कार्य योजना के आधार पर प्रत्येक मामले में सहायता प्रदान की जा सके।	राज्य अकादमियों की मांग के साथ पूर्ण न्याय बरतना। जिनकी स्थिति दयनीय है।	––	0.00	नयी स्कीमें 12 वीं योजना में कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(कप)	**वेनिस द्विवार्षिक समारोह में भारत का स्थायी मंडप**	भारत के स्थायी राष्ट्रीय मंडप के लिए स्थान लेना	0.00	0.01	संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की वित्तीय और अन्य पूर्ण सहायता के साथ ललित कला अकादमी द्वारा स्थापित भारत का राष्ट्रीय मंडप	आगे तय किये जा सकने वाले निबंधन और शर्तों पर प्रदान किये जा रहे स्थान को लेना मितव्यय पूर्ण होगा।	––	0.00	12 वीं योजना में नयी स्कीमों को कार्यान्वित किये जाने का प्रस्ताव है।
(कफ)	**बौद्ध दर्शन उच्चतर अध्ययन विद्यालय, ताबो (हिमाचल प्रदेश)**	यह लाहौल, रचीति और किन्नौर के दूरस्थ क्षेत्रों से आने वले मठवासियों और विद्यार्थियों को सेा प्रदान करेगा।	0.00	1.00	371 अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रैजुएट और डॉक्टर कार्यक्रमों को संचालित किया जाएगा।	बौद्ध अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में अध्ययन और अनुसंधान	––	0.00	अभी इस संस्थान की स्थापना की जानी है
(कब)	**सांस्कृतिक विषयों पर सेमिनारों, उत्वसों और प्रदर्शनियों के लिए विदेश जाने वाले कलाकारों और सांस्कृतिक पेशेवरों को वित्तीय सहायता**	सेमिनारों, कार्यशालाओं, उत्सवों आदि के लिए कलाकार को विदेश जाने हेतु सहायता प्रदान करना। विदेश में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना।	0.00	0.50	वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए लाभ के लिए कार्य नहीं कर रहे' संगठनों सहित व्यक्तियों और समूहों कसे आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाएंगे।	विदेश में भारतीय संस्कृतिक को बढावा देना	––	0.00	12 वीं योजना में नयी स्कीमों को कार्यान्वित किया जाना प्रस्तावित है
(कभ)	**उन विदेशी कलाकारों को वित्तीय सहायता की**	नृत्य, नाटक और संगीत के क्षेत्र में स्वतंत्र गुरु अथवा अनुशीलन के माध्यम से अध्ययन के एि	0.00	0.50	इस स्कीम के अंतर्गत वर्ष के दौरान विदेशी कलाकार से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाएंगे।	भारतीय मंच कलाओं के प्रसार के लिए उनके अनुशीलन में रूचि रखने वाले विदेशी विद्यार्थी/कलाकार	––	0.00	12वीं योजना में नई स्कीमों को कार्यान्वित किये जाने का

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्कीम जो भारतीय संस्कृति का किसी भी रूप जैसे नृत्य, संगीत, नाटक का अध्ययन और अनुशीलन करने के इच्छुक हैं।	विदेशी कलाकारों को सहायता प्रदान करना।							प्रस्ताव है।
(कम)	**विश्व बंधुत्व के संवर्धन के लिए टैगोर पुरस्कार**	रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150 वीं जयंती के समारोह के भाग के रूप में उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा इस पुरस्कार की घोषणा की गई।	**1.50**	**0.00**	गांधी शांति पुरस्कार की पद्धति पर चुने हुए उम्मीदवार को टैगोर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।	रवीन्द्रनाथ टैगोर के सांस्कृतिक कार्य का संवर्धन और प्रसार	**0.07**	**--**	
	पुरातत्व विज्ञान, अभिलेखागार और संग्रहालय								
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन मुख्यतः देश की निर्मित विरासत के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण तथा प्राचीन स्मारकों एवं स्थलों के पर्यावरणीय विकास हेतु कार्यरत है।	**297.50**	**192.40**			**216.64**	**142.29**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
	प्राचीन स्मारकों	केन्द्रीय स्तर पर संरक्षित			केन्द्रीय रूप से संरक्षित	लगभग 1710 स्कीमों			प्राकृतिक

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	का संरक्षण और परिरक्षण : पर्यावरणीय विकास सहित उनका रखरखाव और अनुरक्षण।	प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण हेतु।			लगभग 1710 स्मारकों में संरचनात्मक संरक्षण कार्य, रासायनिक परिरक्षण तथा प्राथमिकता आधार पर बागवानी अभियान, प्रतिबद्धताएं एवं उपलब्ध जनशक्ति एवं वित्तीय संसाधन।	(निर्माण कार्य) का संरक्षण कार्य जिसमें प्राथमिकताओं, प्रतिबद्धताओं और उपलब्ध मानव शक्ति तथा वित्तीय संसाधनों के आधार पर संरचनात्मक संरक्षण, रसायनिक प्ररिरक्षण और उद्यान प्रचालन शामिल हैं। इसमें पेशेवर खर्च भी शामिल हैं।			आपदाएं।
	पर्यटकों को मूल सुख–सुविधाएँ प्रदान करना।	प्राचीन स्मारकों में मूल सुख सुविधाओं का विकास, जिसमें प्रसाधनों, पेयजल सुविधाओं आदि का विकास करना शामिल है।			स्मारको; जिनमें विश्व विरासत स्मारक और स्थल, शामिल है, में बेहतर आगन्तुक सुविधाएं तथा अन्य सुख–सुविधाएं जिनमें सूचना केन्द्र, जन–सुविधाएं, आधुनिक टिकट काउंटर, अच्छे संकेतक, पेयजल सुविधाएं, नये शौचालय (52) इत्यादि शामिल हैं, विशेष रूप से 19 विश्व विरासत स्मरक और 116 टिकट वाले स्मारकों में प्रदान की जाएगी।	विश्व विरासत स्मारकों एवं स्थलों सहित 52 स्मारकों पर बेहतर आगंतुक सुविधाएं और अन्य सुविधाएं			*विशेष रूप से 19 विश्व विरासत स्मारक और 116 अन्य टिकट वाले स्मारक
	उत्खनन एवं अन्वेषण	पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन तथा गांव–दर–गांव सर्वेक्षण तथा समस्योन्मुख सर्वेक्षण के तहत पुरातत्व विषयक			1. पुरातत्वीय स्थलों का उत्खनन और पुरावशेषों का अन्वेषण। 2. समस्योन्मुख सर्वेक्षण। 3. आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों	1. मशीनों और उपस्कारों, साधनों तथा संयंत्रों की खरीद 2. विश्व विद्यालयों/ अनुसंधान संस्थानों को			*7. विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लिए खुदाई

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अवशेषों का अन्वेषण। (12वीं योजना के दौरान इस स्कीम के केन्द्र प्रायोजित स्कीम बनाने का प्रस्ताव है।)			का प्रयोग करते हुए पुरातात्विक अन्वेषण और वैज्ञानिक खोज संबंधी सर्वेक्षण करने के लिए एक केन्द्रित प्रकोष्ठ की स्थापना। 4. मशीनों, उपकरणों की खरीद जैसे, जीपीआर, जीपीएस और कुल स्टेशन, 3 लेजर स्केनर, चुम्बकीय और प्रतिरोधी उपस्कर, फोटोग्राफी संबंधित उपस्कर और साधन तथा संयंत्र आदि। 5. मन्दिर वास्तुशिल्प का सर्वेक्षण। 6. भवन सर्वेक्षण परियोजना।	वित्तीय सहायता। 3. प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता। 4. पुरालेख सर्वेक्षण			हेतु वित्तीय सहायता 8. प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता 9. अन्तर्जलीय पुरातत्व प्रकोष्ठ 10. पुरालेखीय सर्वेक्षण, उत्कीर्ण लेखों का फोटो प्रलेखन आदि।
	पुरातत्वीय स्थल संग्रहालयों का विकास	पुरातत्वीय संग्रहालयों का रखरखाव/विकास			1. 44 स्थल संग्रहालयों का अनुरक्षण 2. 14 सूत्री संग्रहालय सुधारों के अनुसार 10 स्थल संग्रहालयों का चरणबद्ध आधुनिकीकरण/उन्नयन 3. पीपरहवा और ललित गिरि तथा सन्नाटी में स्थल संग्रहालय खोलना 4. 14 स्थल संग्रहालयों में वीथिकाओं का पुनर्गठन*	1. 44 स्थान संग्रहालयों का रखरखाव 2. 14 सूत्री संग्रहालय सुधारों के अनुसार 10 स्थल संग्रहालयों का चरणबद्ध आधुनिकीकरण एवं उन्नयन 3. नये स्थल संग्रहालयों को खोलना अर्थात पीपरहवा (उत्तर प्रदेश), ललित गिरि (उड़ीसा) शिवपुरी (मध्यप्रदेश)			*5. लोक सुविधाओं का उन्नयन 6. विवरणिकाओं / लोकप्रिय साहित्य का प्रकाशन क्षमता निर्माण और सुगम कार्यक्रम

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						सन्नाटी (कर्नाटक) 4. 14सूत्री संग्रहालय सुधारों के अनुसार वीथियों का पुनर्गठन 5. लोक सुविधाओं का उन्नयन 6. विवरणिकाओं/लोक प्रिय साहित्य का प्रकाशन 7. क्षमता निर्माण और सुगम कार्यक्रम			
	i. प्रकाशन ii. सांस्कृतिक जागरूकता	1. पुरात्तव विज्ञान और संबंधित विषयों पर शैक्षिक और सूचनात्मक प्रकाशन का मुद्रण/पुनर्मद्रुण विरासत दिवस/सप्ताह पर विज्ञापन तथा सांस्कृतिक जागरूकता			क. शैक्षिक प्रकाशन–08 ख. सूचनात्मक प्रकाशन–06 ग. पुनर्मुद्रण–04 भारत भर में समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजी, हिंदी और स्थानीय भाषाओं में विज्ञापन	**नया मुद्रण** अकादमिक 1. भारतीय पुरातत्व विज्ञान– एक समीक्षा–2004–05 तथा 2005–06 मुद्रणाधीन हैं। 2. जीवनवृत्तः अंतिचक–2 (1971–1981) भारद्वाज आश्रम में खुदाई (1978–79 और 1982–83) तथा सिरूतावर में खुदाई–2008 प्रकाशित। इसके अतिरिक्त उदयगिरि–2 में खुदाई, राजघाट खुदाई से टेराकोटा फिगरींस का सूची पत्र, दक्षिण भारतीय उत्कीर्ण खंड 30 और 32,			उदाहरणों के साथ पांडुलिपियों की प्राप्ति नहीं और पाठ के लिए अनापत्ति तथा सक्षम प्रकाशन अनुभाग में संपादकीय कर्मचारियों की कमी और रिक्त पद इस परियोजन के लिए पर्याप्त निधियों की उपलब्धता नहीं

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						ऐपीग्राफिया इंडिका, खंड XLIII, भाग–1, ऐपीग्राफिया इंडिका, अरबी और फारसी अनुपुरक सूचनात्मक का प्राचीन भारत, नयी श्रंखलाएं संख्या–1, ख. शिवसागर और कुंभलगढ़ पर गाइड पुस्तकें (हिंदी और अंग्रेजी में) ग. भारतीय पुरातत्व विज्ञान की कहानी (संशोधित संस्करण) घ. पोषण और संरक्षण : भारतीय पुरातत्व संग्रहालय के प्रारंभिक वर्ष पुनर्मुदण भारतीय पुरातत्व विज्ञान– एक पुनरीक्षा 1998–99, 1999–2000। सारणार्थ पर गाइड पुस्तिका (डिलक्स संस्करण)			
	राष्ट्रीय प्राचीन स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन	i) संविदा आधार पर नियुक्त सहायक कर्मचारियों के लिए पारिश्रमिक तथा परामर्शकों के लिए शुल्क (विभिन्न परामर्श कार्य के लिए)			मिशन दस्तावेज में प्राथमिक सर्वेक्षण का प्रस्ताव छोड़ दिया गया और प्रकाशित तथा अप्रकाशित सहायक श्रोतों से आंकडों का प्रलेखन करने का निर्णय लिया गया। वह सूचना	देश में सभी स्मारकों और पुरावस्तुओं (संरक्षित और असंरक्षित दोनों) के व्यापक आंकडा आधार को तैयार करने के लिए पांच वर्ष अर्थात 2007–12 की अवधि			*आरेखण। इस विसंगति को दूर करने के लिए अरक्षित निर्मित विरासत तथा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		यात्रा व्यय ii) उपस्कर और साफ्टवेयर iii) मुख्यालय और अन्य केन्द्रों में स्टेशनरी तथा अन्य संबंधित व्यय iv) लोकप्रिय साहित्य का प्रकाशन v) जागरूकता कार्यक्रम प्रदर्शनी, सेमिनार आदि vi) चुनिंदे स्मारकों का संरक्षण विविध और अन्य आकस्मिक व्यय			जो सहायक श्रोतों से अरक्षित निर्मित विरासत और स्थल पर संग्रहित की गयी है वह रूपरेखात्मक, अविश्वसनीय तथा अतार्तिक प्रतीत होती है। चूंकि अनेक निर्मित विरासत स्थल जो सहायक श्रोतों के माध्यम से मिला दिये गये थे चाहे तो वे शहरीकरण और अन्य विकास कार्य के कारण नष्ट कर दिये गये अथवा ढहा दिये गये। प्रलेखन फोटोग्राफी और तैयारी योजना के लिए निर्मित विरासतों और स्थलों पर पुर्नविचार किये जाने की आवश्यकता है।	के लिए एनएमएमए को प्रारंभ किया गया था। प्राथमिक सर्वेक्षण का प्रस्ताव छोड दिया गया था और प्रकाशित तथा अप्रकाशित सहायक स्रोतों के माध्यम से आंकडों का प्रलेखन करने का निर्णय लिया गया था। इस विसंगति को दूर करने के लिए अरक्षित निर्मित विरासत तथा स्थलों का प्राथमिक सर्वेक्षण किये जाने की आवश्यकता है ताकि जीआइएस, जीपीएस, लेजर स्केनिंग, फोटोग्राफी और व्यापक सर्वेक्षण का प्रयोग करके प्रमाणिक और विश्वसनीय राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार किया जा सके। अब यह एक चालू स्कीम है जिसे संस्कृति मंत्रालय को भेजे 12 वीं पंचवर्षीय योजना प्रस्ताव में शामिल किया गया है।			स्थलों का प्राथमिक सर्वेक्षण किये जाने की आवश्यकता है ताकि जीआइएस, जीपीएस, लेजर स्केनिंग, फोटोग्राफी और व्यापक सर्वेक्षण का प्रयोग करके प्रमाणिक और विश्वसनीय राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार किया जा सके।
18	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों और उनके पूर्ववर्ती	**17.20**	**5.70**			**20.81**	**4.75**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		निकायों के स्थायी महत्व के वर्तमान–भिन्न अभिलेखों का संरक्षक है। अभिलेख प्रबंधन कार्यकलापों तथा उनके स्थायी परिरक्षण और भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग हेतु नोडल एजेंसी।							प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
(i)	अभिलेख प्रबंधन कार्यक्रम का विस्तार	i) अभिलेखीय सहायक द्वारा लोक अभिलेखों का सर्वेक्षण और निरीक्षण ii) मंत्रालयों/विभागों आदि से मूल्यांकित अभिलेखों के अंतर्रण के पश्चात उन्हें प्राप्त करना तथा उनकी व्यवस्था (आउसोर्सिंग द्वारा) iii) लोक अभिलेख अधिनियम 1993 और नियम 1997 का संशोधन iv) अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण।			i) विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 200000 लगभग अभिलेखों का मूल्याकंन किया जाना है तथा उन्हें राष्ट्रीय अभिलेखागार को अंतरित किया जाना है। ii) 150000 अभिलेख (लगभग) iii) 10 अभिलेखों के प्रतिधारण की अभिसूचियों की विधीक्षा iv) 13 वीं बैठक का आयोजन और उनकी सिफारिश पर अनुवर्ती कार्रवाई की जानी है। v) 13 वीं और 14 वीं डीजीए रिपोर्ट के संकलन का	अध्ययतन स्थिति के अनुसार इस परियोजन की प्रगति इस प्रकार हैः अभिलेखों का मूल्यांकन 1,22,760 फाइलें 31 दिसंबर 2010 तक अंतरित फाइलों की कुल संख्या 1,27,480 फाइलें एआईएमएस पैकेज ऑन लाइन में सूचीबद्ध विषय 31,715 फाइलें 81,510 फाइलों की वास्तविक जांच 46,294 फाइलों की व्यवस्था एनएआई–1 में प्राप्त अभिलेख जो प्रक्रिया में हैं। 27,380 फाइल –लोक अभिलेख अधिनियम			*अभिलेखागार महानिदेशक की वर्ष 2010 की 13 वीं रिपोर्ट की अवधारणा तैयार कर ली गयी है तथा महानिदेशक की 14 वीं रिपोर्ट तैयार की जा रही है। 4 अभिमूखी पाठ्यक्रम संचालित किए गये। डीआओ/आरओ के 27 नामांकन प्राप्त

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		v) अभिलेखीय सलाहकार बोर्ड की बैठक आयोजित करना। vi) सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम, 1993 के कार्यान्वयन पर डी. जी. ए. की 12वीं तथा 13वीं रिपोर्ट का संकलन। vii) डी. आर. ओ. के लिए आर. एम. में प्रबोधन पाठ्यक्रम आयोजित करना। viii) मंत्रालय/विभाग/ कार्यालयों के डी. आर. आर. के निरीक्षण।			कार्य पूरा किया जाना है तथा रिपोर्टों को अनुमोदित सूची के अनुसार वितरित किया जाना है। vi) 7 अभिमुखीकरण पाठ्यक्रम संचालित किये जाने हैं। vii) डीपीआर का निरिक्षण किया जाना है।	1993 पर परामर्श समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत – दो अभिलेख प्रतिधारण अधिनियमों की जांच की गयी – अभिलेखीय सलाहकार बोर्ड की 13 वीं बैठक शीघ्र आयोजित होने की संभावना है। – अब तक 6 विभागीय निरिक्षण किये गये हैं। – अभिलेखागार महानिदेशक की 12 वीं रिपोर्ट (अंग्रेजी मुद्रित कर दी गयी है) और इसे वितरित किया जा रहा है।			हुए
(ii)	मरम्मत एवं रेप्रोग्राफी का विस्तार	अभिलेखों की मरम्मत, पुस्तकों/खण्डों की जिल्दसाज़ी और सिलाई, राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली में अभिलेखों और दुर्लभ पुस्तकों का संरक्षण और मरम्मत, विश्व भारती विश्वविद्यालय के			1,10,000 शीटों की मरम्मत की जानी है। 80 पुस्तकों 200 खंडों और 1000 विभिन्न मदों की जिल्दसाजी की जानी है। 250000 शीटों का संरक्षण किया जाना है, ताड के पत्तों, तेरठ के पत्तों और टुलट के पत्तों में से	–90,900 सीटों की मरम्मत –155 खंडों, 389 पुस्तकों, 1,413 विविध जिल्दसाजी –157 खंडों, 389 पुस्तकों, 1318 विविध की सिलाई अभिलेखों का संरक्षण और उसके मरम्मत के अधीन 2,50,000 शीटों के वार्षिक			*निगेटिव और पोजिटिव माइक्रोफिल्मों की तैयारी की परियोजना लक्ष्य के अनुसार पूरी

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संग्रह में पाण्डुलिपियों का परिरक्षण, राष्ट्रीय अभिलेखागार के अभिलेखों के नगेटिव माइक्रोफिल्मों और पोजिटिव माइक्रोफिल्मों की तैयारी, निगेटिव माइक्रोफिल्म रोलो के पोजोटिव माइक्रोफिल्मों की तैयारी तथा डीजीटल चित्रों की तैयारी और उन्हें समनरूप चित्रों में बदलना। संगरचनात्मक सामग्री की जांच पुस्तकालय का आधुनिकीकरण अभिलेखिय सामग्री के संरक्षण पर तकनीकी जानकारी, व्याख्यान, कार्यशालाएं/सेमिनार का आयोजन			प्रत्येक के 100 बंडलों का परिरक्षण शुरूल अभिलेख और जगदेव अभिलेख, निगेटिव ओर पोजिटिव माइक्रोफिल्मों से तैयार किये जाने वाले 63 लाख पृष्ठ, 13000 निगेटिव/ पोजिटिव माइक्रोफिल्मों को तैयार किया जाना है। अंकीय चित्रों के लिए प्रायोगिक आधार पर पांच लाख अभिलेख तैयार किये जाने हैं। परिरक्षणात्मक सामग्री की जांच, अभिलेखिय रिकॉर्डों की मरम्मत तथा अन्य कार्य, आवश्ययकता के अनुसार प्रयोगशाला का उचित रखरखाव और अन्य कार्य	लक्ष्य की तुलना में 1,45,966 शीटों की मरम्मत और उनका लेमिनेशन 734 कार्यवाही खंडों की सिलाई और उनकी जिल्दसाजी की गयी। –पुस्तकालय सामग्री की मरम्मत और जिल्दसाजी के अधीन 200000 शीटों के वार्षिक लक्ष्य की तुलना में 1,20,500 सीटों की मरम्मत और उनका लेमिनेशन 750 खंडों की सिलाई और जिल्दसाजी की गयी –ताड़ के पत्ते एमएसएस का निरोधात्मक संरक्षण –700 बंडल पेपर एमएसएस का सुधारात्मक संरक्षण –581 शीट* –बाण्ड पेपर, लेजर पेपर, वैक्स पेपर आदि के नमूनों की अभिलेखीय मरम्मत में उनकी उपयुकत्ता का पता लगाने के लिए जांच की			कर ली गयी। –डिजिटल चित्रों की तैयारी और माइक्रोफिल्म में समनरूप चित्रों में उनका परिवर्तन लक्ष्य के अनुसार पूरा कर लिया गया है। ** 2708 शीटों की पूर्ण मरम्म, पुस्तकालय से प्राप्त रंगीन आरेखों, चित्रों को शामिल करने वाले एक एलबम्ब का संरक्षण कार्य –471 रोलों की सुरक्षा माइक्रोफिल्मी 4480 मीटर माइक्रोफिल्म का पोजिटिव

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						गयी।			मुद्रण
(iii)	पुस्तकालय का विस्तार और प्रशासन	पुस्तकों की खरीद, पुस्तकों/पत्रिकाओं पर क्रमाँकन, का वर्गीकरण, कंप्यूटर में डाटा प्रविष्टि, पुस्तकों की जिल्दसाजी बाहर से कराना, पुस्तक–कार्ड तैयार करना।			बीएसी द्वारा संस्तुत पुस्तकों को खरीदना है। पुस्तकों/पत्रिकाओं की प्राप्ति क्रमांक – 1000, डाटा इनपुट शीट तैयार करना–1000 पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण – 1000 तैयार किए गए पुस्तक कार्ड – 1500	1810 पुस्तकें प्राप्त की गई, 685 पुस्तकों में प्राप्ति क्रमांक डाला गया, 2123 पुस्तकों को वर्गीकृत किया गया, 2173 पुस्तक की डाटा प्रविष्टि का कार्य पूरा किया गया, 3543 के संदर्भ सूची कार्ड भरे गए, 8486 पुस्तकों/पत्रिकाओं की प्रक्रिया पूरी की गई ; 1061 अध्येता पुस्तकालय में आए ; 4877 पुस्तकें/पत्रिकाएं, 25254 पुस्तकें/पत्रिकाएं ; 362 पुस्तकें एनएआई के स्टाफ/बाहर से जिल्दसाजी के लिए प्राप्त हुई ; 14 पुस्तकें लेमिनेशन के लिए और 26 पुस्तकों की माइक्रोफिश के लिए भेजी गईं।			विभागीय स्टाफ/अनुबंधित व्यक्ति के द्वारा। बाहर की एजेंसी द्वारा भी।
(iv)	राष्ट्रीय पंजीकरण या निजी रिकार्डस (एनआरपीआर)	एम आर पी आर खण्डों का प्रकाशन			खण्ड 24 और 25 को संकलित और उन्हें पूरा किया जाना है।	एनआरपीआर के खंड 24 के संकलन और सम्पादन का कार्य प्रगति पर है।			राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के अभिलेखागार आरआरसी से उचित प्रोफार्मे

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									और पर्याप्त संख्या में प्राप्त होने की शर्त के अधीन।
(v)	अभिलेखीय अध्ययन स्कूल के कार्यकलापों का विस्तार	क) अभिलेखागार एवं रिकार्ड प्रबंधन में एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2010–11 और 2011–12 ख) अभिलेखीय प्रबंधन एवं संबद्ध शाखाओं में अल्पावधि पाठ्यक्रम ग) मासिक बातचीत, स्कूल पुस्तकालय के परिरक्षण रिकार्ड प्रबंध और विस्तार पर कार्यशाला और सेमिनार, स्कूल पुस्तकालय का विस्तार।			(क) अभिलेख और रिकार्ड प्रबंध 2011–12 में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा किया जाना है और डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2012–13 आरम्भ किया जाना है। (ख) क. रिकार्ड प्रबंधन में अल्पावधि के 2 पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। ख. रेप्रोग्राफी–2 पाठ्यक्रम ग. रिकार्ड की सर्विस और रिपेयर–2 पाठ्यक्रम घ. पुस्तकों/एमएमएस/अभिलेख के देख–भाल और अनुरक्षण के 2 पाठ्यक्रम ड. अभिलेख प्रबंध–1 पाठ्यक्रम, कैलियोंग्राफी में लघु पाठ्यक्रम का प्रारंभ–1 च. अल्पकालीन 3 माह की अवधि का 1 पाठ्यक्रम जिसमें शिकसता (कर्सिव लेखन) खटाटी (कैलीग्राफी) पढ़ाई जाएगी।	अभिलेख और रिकॉर्ड प्रबंधन में एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा हो गया है। कागज–कार्य प्रबंधन पूर्ण हो गया है। रिकार्ड प्रबंधन का कागजी कार्य पूरा हो गया है। अभिलेख प्रबंधन, रेप्रोग्राफी, सर्विसिंग और रिकॉर्ड की मरम्मत, देख–भाल और पुस्तकों और एमएसएस/अभिलेख में अपने विवेकाधिकार से अल्पकालीन पाठ्यक्रम में कार्य करने वालों का कार्य सुविधाजनक रहा और उनका कार्य पूरा हो गया। रिकॉर्ड प्रबंधन के उद्देश्य से ए.आर. विभाग पर कार्यशाला आयोजित की गई। अभिलेख प्रबंधन, संरक्षण और माइक्रोफिल्मिंग और डिजिटीकरण का कार्य के लिए एचआरडी पर एक सप्ताह की			लखनऊ में प्रशिक्षु कार्यक्रम 6 माह के लिए प्रशिक्षण, 1 वर्ष का डिप्लोमा अभिलेख प्रबंधन में प्रारंभ किया गया है और प्रगति पर है। अभिलेखीय अध्ययन स्कूल के बोर्ड को 2 वर्ष के लिए पुनर्गठित किया गया था।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					ग. 2 सेमिनार आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।	कार्यशाला और डिजिटीकरण किया गया।			
vi	पूर्वी क्षेत्र में एक रिकार्ड केन्द्र की स्थापना करना	क. गैर–समसामयिक रिकार्डों की प्राप्ति तथा सर्वेक्षण करना ख. रिकार्डों का मूल्यांकन करना ग. रिकार्ड रिटेंशन अनुसूची की पुनरीक्षा करना घ. इंटेक, भुवनेश्वर द्वारा रिकार्डों की मरम्मत तथा परिरक्षण, संदर्भ मीडिया रिकार्ड को तैयार करना।			उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों के गैर–समसामयिक रिकार्डों की प्राप्ति तथा सर्वेक्षण। 2000 फाइलों का मूल्यांकन किया जाना है। 2 रिकार्ड रिटेंशन अनुसूची की पुनरीक्षा की जाएगी। प्रति वर्ष 15000 शीटें प्रतिदिन 15000 फाइलें	384 रिकार्ड एन्ड्रू यूले कम्पनी, कोलकाता से प्राप्त किये गये। मयूरभंज एसडी नंदा से 9 खण्ड, 15 गजैट्स प्राप्त किये गये। पेटेंट और डिजाइन की 70000 फाइलें स्थानान्तरण के लिए तैयार हैं, खान सुरक्षा, महादिनेशक, धन्यबाद और भारत सरकार स्टेशनरी कार्यालय की 2305 पुरानी फाइलों का मूल्यांकन किया गया। फाल्टा स्पेशल आर्थिक जोन कोलकाता का रिकार्ड रिटेंशन का मौके पर का अध्ययन कार्य पूरा हो गया।			रिकार्ड केंद्र भुवनेश्वर लगभग 40,652 शीटों की मरम्मत/लैमिनेशन की गई हैं। संदर्भ मीडिया रिकॉर्ड की तैयारी भी प्रारंभ कर दी गई है और 12वीं योजना के दौरान जारी रहेगी। पीएंडडी, कोलकाता की लगभग 12925 फाइलों की सूची तैयार की गई और एआईएमएस सॉफ्टवेयर में डाटा एंट्री की

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									गई।
vii	विदेशों के रिकार्ड की माइक्रोफिल्म प्रतियों का अर्जन	एनएआई में वर्तमान श्रृंखला को बढ़ाने और खाली स्थानों को भरने के लिए विदेशों से भारतीय हित की दृष्टि से महत्वपूर्ण रिकार्ड प्रतियों को अर्जित (प्राप्त) करना। ii पीए अनुभाग में कम्पैक्ट शेलविंग स्थापित करना।			निम्नलिखित श्रृंखला से रिकार्ड की माइक्रोफिल्म प्रतियां अर्जित की गई :– 1. कैब 127 2. एल/एमआईएल/7 श्रृंखला (शेष फाइलें) 3. यूरो एमएसएस 4. वर्नाकुलर ट्रैक्टस 5. माउंट बैटन पेपर्स	टी कैब 37 और एफओ–705 श्रृंखलाओं की 16 माइक्रोफिल्म रोल्स राष्ट्रीय अभिलेखागार, यू.के. से प्राप्त किए गए जो वारेन हेस्टिंग की मद्रास की कार्यवाहियों के वर्णनों से संबंधित थे। फोर्ट सेंट जार्ज में उनके सैनिक विभाग आदि से प्रेसीडेंट और काउंसिल के पत्रों की प्रतिलिपि। एन/पीजे/7 और एल/ एमआईएल/ 7 के लिए ब्रिटिश पुस्तकालय, लंदन को भेजे गए चैक को पुर्न वैध किया। राष्ट्रीय अभिलेखागार, यू.के. से आई हुई कैब 127 की 9 माइक्रोफिल्म रोलों की जांच की और उनकी प्राप्ति रजिस्टर में लिखकर कमांकित किया।			खांदला से आए हुए मुल्कराज आनंद पेपर्स प्राप्त किए। सोथेबी, लंदन, यू.के. से गांधी –कैलन बाच पत्रों को प्राप्त किया गया। सैनिक रिकार्ड की एलपीजे/एमआईएल/7 श्रृंखला की 7 सीडी ब्रिटिश पुस्तकालय, लंदन से प्राप्त की गई। पीए अनुभाग में कम्पैक्टस शेलविंग स्थापित की गई।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
viii (क)	पाण्डुलिपियों/ दुर्लभ पुस्तकों के परिरक्षण हेतु एनजीओ को वित्तीय सहायता की स्कीम	मूल्यवान दस्तावेज प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र में व्यक्तियों/ एन जी ओ को वित्तीय सहायता देना।			अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जानी है और समिति द्वारा संस्तुत राशि को संस्तुत संस्थाओं को जारी किया जाना है।	समाचार–पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के संदर्भ में प्राप्त हुए आवेदन/प्रस्तावों की जांच की गई। 55.77 लाख रूपयों की राशि से संबंधित 4 मामलों को अनुदान जारी के लिए अनुमोदित किया गय।			
(ख)	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अभिलेखीय रिपोजिटरी और संग्रहालयों को वित्तीय सहायता की स्कीम	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के अभिलेखीय रिपोजिटरी/शासकीय पुस्तकालयों में मूल्यांकन दस्तावेजी विरासत को सुरक्षित रखने और एमएसएस के परिरक्षण/संरक्षण के लिए भी अनुदान सहायता अनुदान प्रदान करना।			स्कीम के तहत योग्य राज्यों/संघ राज्यों क्षेत्रों की सिफारिशों के लिए अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जानी है।				
19	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	यह भारत में कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रापण, प्रदर्शनी और शैक्षिक कार्यकलापों के महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न है।	**9.00**	**8.90**			**7.29**	**5.66**	सामान्तयः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चों के लिए होता है।
(i)	संग्रहालयों की	संग्रहालय संग्रह का रंगीन			फोटो–प्रलेखन की तैयारी और	कला वस्तुओं के प्रलेखन से			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कलावस्तुओं तथा घटनाओं का फोटो प्रलेखन।	फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया गया।			प्रस्तर कला वस्तुओं के अल्बम की तैयारी करना	संबंधित कार्यों और समारोहों को योजना प्रस्ताव के अनुसार किया गया।			
(ii)	संग्रहालय का प्रदर्शन एवं आधुनिकीकरण, मौजूदा वीथियों का पुर्नगठन। रिजर्व भण्डार का पुर्नगठन।	अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के अनुसार वहाँ वीथियों और वस्तुओं के प्रदर्शन की व्यवस्था करना। मूर्तिकला, काष्ठ–नक्काशी, पांडुलिपियां, हथियार भंडार आदि।			वर्तमान वीथियों का पुनर्गठन, अभिलेखीय वीथियां, अलंकरण कला वीथि, पांडुलिपि वीथि, कास्ट्यूम वीथि, मध्य एशियाई दीवाल चित्रकारी वीथि, कांसा वीथि, प्री कोलम्बियन एवं पश्चिम कला वीथि, मैरी टाइम विरासत वीथि (यदि राष्ट्रीय संग्रहायल में स्थान्तरित हो जाती है), कांसा वीथि का आधुनिकीकरण/पुनर्निर्माण का कार्य संपूर्ण 2013–14 में चलता रहेगा।	राष्ट्रीय संग्रहालय के आधुनिकीकरण की रूप रेखा, जो उच्चस्तरीय समिति द्वारा अंतिम रूप/संस्तुत की गई थी, अभी प्राप्त होना शेष है। तथापि, राष्ट्रीय संग्रहालय, इस मामले में संस्कृति मंत्रालय के निर्णय के अनुसार कार्य करेगा।			काष्ठ–नक्काशी स्टोर, विशेष भंडारण का लकड़ी का दरवाजा, संग्रह, नृ–विज्ञान के टेक्सटाइल स्टोरेज के लिए संग्रहाण प्रणाली।
(iii)	वस्तुओं को प्लास्टर कास्ट में रिमॉडल करना संग्रहालय	शिल्प वस्तुओं को और आकर्षक तथा रंगीन बनाना।			रबर सांचे तैयार करना, विक्रय एवं उपहार के उद्देश्य से अनुमोदित सूची के अनुसार प्लास्टर आफ पेरिस की कच्ची सामग्री की प्रतिकृति तैयार करना। पुस्तकालय में 600	योजना–प्रस्ताव के अनुसार कार्य पूर्ण किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान लगभग 400 पुस्तकें खरीदी गई। शैक्षिक कार्यकलाप और आउट रीच कार्यक्रम, इस			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पुस्तकालय एवं शैक्षिक कार्यकलापों तथा आउटरीच कार्यक्रम हेतु पुस्तकों की प्राप्ति				पुस्तकों की वृद्धि करना। विभिन्न प्रतियोगिताएं/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं/सेमीनार, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, स्मारक व्याख्यान आदि भारतीय कला/संग्रहालय विज्ञान पर आयोजित किए जाने हैं।	अवधि में योजना प्रस्ताव के अनुसार पूर्ण किए गए हैं।			
(iv)	कलावस्तुओं का पुनरूद्धार और संरक्षण। तैल चित्रों का पुनरूद्धार/ पुरावस्तुओं/कला वस्तुओं के संरक्षण में प्राशिक्षण पाठ्यक्रम, पाण्डुलिपियों के संरक्षण/ जिल्दसाज़ी हेतु उपकरणों का प्रापण।	• पुरावस्तुओं और कलावस्तुओं को क्षरण से बचाना। • राष्ट्रीय संग्रहालय और अन्य संग्रहालयों/संस्थानों के संग्रहालय स्टाफ को संरक्षण की नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना। • प्रयोगशाला को नवीनतम उपकरणों से सज्जित रखना।			**संरक्षण** तैल–चित्रों का जीर्णोद्धार, पुरावस्तुओं, कलावस्तुओं का संरक्षण, संरक्षण में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, संरक्षण, पांडुलिपियों की छेदक किया और जिल्दसाजी के लिए उपकरणों का प्रापण।	कलावस्तुओं के संरक्षण की प्रक्रिया एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें प्रतिवर्ष कम से कम 1000 कलावस्तुओं का संरक्षण के लिए उपचार किया जाता है। उत्तर–पूर्व लेह लद्दाख में कार्यशाला का आयोजन किया जाना है। पेंटिंग की देख–भाल के लिए तीन माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम			विदेशों को भेजे जाने वाले/विदेशों से आने वाले प्रदर्शों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों की अपेक्षा के अनुसार तैयार की जाएगी।
(v)	प्रदर्शनी	प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति को लोकप्रिय बनाना विषयक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना			संस्कृति मंत्रालय द्वारा अनुमोदित रूप में प्रदर्शनियों का आयोजन करना है। सांस्कृतिक आदान–प्रदान के तहत प्रदर्शनियां	समीक्षाधीन अवधि के दौरान सभी अनुमोदित प्रदर्शनियां आयोजित की गई हैं।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन संग्रहालय की सुरक्षा को सुदृढ़ करना	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनियाँ आयोजित करना कैटलॉग, बुलेटिन, गाईड बुक, कला प्रकाशन इत्यादि तैयार करना विद्युतीय निगरानी और सीसीटीवी प्रणाली अनुरक्षण, संरक्षा उपकरण			निमंत्रण पत्रों, ब्रोशर, फोल्डर्स, निमंत्रण पत्रों, ब्रोशर फोल्डर, विज्ञापन सामग्री आदि का मुद्रण। भण्डार में न पाए जाने वाले प्रकाशनों एवं वीथी कैटलॉग इत्यादि का पुनः मुद्रण करना स्तम्भ 3 में उल्लिखित विद्युतीय गैजेट्स प्राप्त करने है	लक्ष्य के अनुसार कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। आवश्यकतानुसार, सुरक्षा गैजेट्स का स्थापन।			
20	**राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्**	विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के लिए प्रदर्शनी, संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।	**33.13**	**31.00**			**24.85**	**25.50**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यो के लिए प्रयोग होता है।
(i)	• नवीन वीथियाँ स्थापित करना,	देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, प्रोन्नयन करना और उसे लोकप्रिय			वर्ष 2012 में, पीसीएनसी, पुणे ; विवेकानंद मिशन (आर. के.मिशन), दिल्ली ; बीआईटीएम, कोलकाता,	आरएससी, गुवाहाटी में बायोटेक प्रयोगशाला और इन्सेकटैरियम स्थापित करने का कार्य; बीआईटीएम,			कार्य की प्रगति, व्यय का एक सुनियोजित

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	• प्रदर्शों का उन्नयन और अद्यतन, • नई परिचालन योग्य प्रदर्शनियाँ, • शैक्षणिक कार्यक्रम • नई सचल विज्ञान प्रदर्शनी इकाइयाँ, नई प्रशिक्षण सुविधाएँ, • प्रमुख सिविल कार्यों सहित (विज्ञान केंद्रों की स्थापना के अतिरिक्त) देश के विभिन्न भागों में स्थित 25 विज्ञान केन्द्रों की आधारिक अवसंरचना	बनाना।			एसएससी, पटना की ''इवोल्यूशन'' वीथियों का कार्य पूरा होने की आशा है; अन्य नई वीथियों का कार्य वर्ष 2012–13 के अंत तक पूरा होने की आशा है ; बीटीआईएम, कोलकाता की बायोटेक प्रयोगशाला; डीएससी, पुरूलिया की 'जीवन विज्ञान', बीआईटीएम, कोलकाता की ''हरित ऊर्जा''; वीआईटभएम, बंगलौर की ''स्पेस गैलरी''; डीएससी, तिरूनेलवेली का 'टीवी स्टूडियों''; आरएससी, भोपाल का 'स्पार्क थिएटर'; जीएससी, गंजिन का ''महासागर वीथि का विज्ञान''; जीएसीसी, धरमपुर में ''नईएमएसई प्रदर्शनी का विकास''; केपीएससी, कुरूक्षेत्र की ''साइंस स्पार्क''; आरएससी, गुवाहाटी और केपीएससी, कुरूक्षेत्र की वीथियों के नवीकरण और विकास कार्य। वर्ष के दौरान, वर्तमान छः चल प्रदर्शनियों और दो नई	कोलकाता में ''नवोन्मेषी स्रोत केंद्र (फेज–I)'' के निर्माण का कार्य; आरएससी, भुबनेश्वर में ''गति'' वीथि (फेज–I)'' के विकास का कार्य ; एनबीएससी, सिलीगुड़ी में ''हरित ऊर्जा'' (फेज–I)'' नई वीथि के विकास का कार्य; वीआईटीएम, बंगलौर की ''स्पेस'' वीथि में ''उड़न–मशीन'' के नवीकरण का कार्य; डीएससी, गुलबर्गा में ''कृषि'' पर एमएसई का फ़ब्रीकेशन कार्य और वीआईटीएम, बंगलौर के ''इंजन–हाल'' के उन्नयन का कार्य। आरएससी, त्रिपती, नई वीथि और 3डी रंगमंच के विकास/निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा; डीएससी, तिरूनेलवेली; आरएससी, पिलीकुला; और एनएससी, दिल्ली, आदि का कार्य भी समीक्षाधीन अवधि में पूरा हो जाएगा। त्रिनिडाड में, 'भारत–विज्ञान			और स्थिर प्रवाह बनाए रखने के लिए संपूर्ण कार्य को चार तिमाहियों के फेज में पूरा किया जाएगा।

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	तथा मौजूदा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। • विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यवसायिक योग्यता प्राप्त करने के लिए विज्ञान सम्प्रेषण में एमएस पाठ्यक्रम				प्रदर्शनियों को विकसित/प्रदर्शित किया जाएगा। वर्ष 2012 में एनएससी, दिल्ली; बीआईटीएम, कोलकाता; आरएएससी, लखनऊ; एनएससी, मुंबई, वीआईटीएम, बंगलौर में एनसीएसएम, राष्ट्रीय विज्ञान नाटक उत्सव/मेला के संदर्भ में विभिन्न प्रकार के मुख्य शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारंभ करेगा। यह विज्ञान सेमिनारों/मेलों/ नाटक प्रतियोगिता/शिविरों का आयोजन करेगा। विभिन्न विज्ञान केंद्रों में निर्माण–कार्य के अतिरिक्त, प्रारंभ किए जाएंगे, जिनमें नवीकरण, वर्तमान कार्यालय लिफ्टों को बदलना, भवन की चारदीवारी की रंगाई, भंडारण का नवीकरण, निगरानी प्रणाली, शौचालय, बहु–संचार माध्यम कक्षों के लिए ए.सी. आदि जैसे सिविल कार्य शामिल हैं। विज्ञान संचार में एम.एस.	की एक संस्कृति' पर एक चल–प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया था और गुयाना में एक प्रदर्शनी का प्रारंभ किया गया था। एनएससी, मुंबई और बीआईटीएम, कोलकाता में दो नई चल प्रदर्शनियों क्रमशः ''स्थिर ऊर्जा'' और (विद्युत एवं चुम्बकत्व'' का विकास/उद्घाटन किया जाएगा। संपूर्ण वर्ष 2012–13 में, वर्तमान 6 चल प्रदर्शनियों का आयोजन, विभिन्न विज्ञान केंद्रों में किया जाएगा। इनके अतिरिक्त, सभी विज्ञान संग्रहालयों/केंद्रों में एनसीएसएम के अधीन मुख्य शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 2012–13 की अवधि में संपूर्ण भारत के विभिन्न विज्ञान केंद्रों में विज्ञान केंद्रों के निर्माण के अतिरिक्त, बहुत से सिविल कार्य भी प्रारंभ किए जाएंगे/उनका उन्नयन किया जाएगा।			

परिणाम बजट – 2013–14
अध्याय – IV (ख) विगत निष्पादन की समीक्षा – 2012–13

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 20012–13 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	दिसम्बर, 2012 तक वास्तविक उपलब्धि	दिसम्बर, 2012 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		अभ्युक्तियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पाठ्यक्रम चलता रहेगा।				
(ii)	अन्य मुख्य उपकरणों का केन्द्रीकृत प्रापण	विभिन्न आरएससी में नवीनतम उपकरणों को उपलब्ध करवाना और आधुनिकीकरण करना			• बीआईटीएम, कोलकाता, एनएससी, मुंबई, एनएससी, दिल्ली, आरएससी, लखनऊ और के पीएससी, कुरूक्षेत्र के लिए 3डी प्रक्षेपण प्रणाली। • विज्ञान शहर, कोलकाता, आरएससी, लखनऊ और एनएससी, मुंबई के लिए वृहद फार्मेट फिल्म्स। • बीआईटीएम, कोलकाता और विज्ञान शहर, कोलकाता के लिए स्पार्क थिएटर के उपकरण।	एनएससी, मुंबई; आरएससी, लखनऊ और विज्ञान शहर, कोलकाता के लिए प्रक्षेपण हेतु वृहद फार्मेट फिल्मों का प्रापण पर लिया गया है। बीआईटीएम, कोलकाता; एनएससी, मुंबई; एनएससी, दिल्ली; आरएससी, लखनऊ और केपीएससी, कुरूक्षेत्र के लिए 3डी प्रक्षेपण प्रणाली के लिए नई फिल्मों का प्रापण किया जाएगा। आरएससी, लखनऊ और भोपाल के लिए स्पार्क थिएटर के अतिरिक्त, विज्ञान संचार में एसएस पाठ्यक्रम चलता रहेगा। पारंपरिक ज्ञान पद्धति पर काफी टेबिल पुस्तकों के प्रकाशन सहित प्रलेखन कार्य।			....